वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 145 | बुधवार 18 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

क्षमावणी पर्व

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बिड़ला सभागार में विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह

युवाओं के सपने होंगे पूरे, 10 लाख को मिलेगा रोजगार, प्रधानमंत्री के मजबूत नेतृत्व से भारत बनेगा विकसित राष्ट्रः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

10 हजार 376 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास। गर्भवती महिलाओं के लिए अब निःशुल्क सोनोग्राफी सुविधा

कार्मिकों को मिले नियुक्ति पत्र, प्रदेशभर के लाभार्थियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद, 86 नगर पालिकाओं को 50 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता जारी करने की घोषणा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर उनसे प्रेरणा लेने का किया आह्वान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारे प्रत्येक कार्य में जनमानस का प्रतिबिंब दिखता है और इससे प्रत्येक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। आज 10 हजार करोड़ रूपए से अधिक के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर उन्होंने 86 नगर पालिकाओं को 50 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता जारी करने की घोषणा भी की। शर्मा मंगलवार को बिड़ला सभागार में मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव, पीएम आवास योजना-ग्रामीण, स्वच्छता ही सेवा अभियान, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) वाउचर योजना और अन्य विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मना रहा है। मोदी के जन्मदिन पर हमें उनके दूरदर्शी संकल्पों और असाधारण परिश्रम से प्रेरणा लेनी चाहिए और वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश तथा राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने के लिए समग्र प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। पांच वर्षों में निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार अवसरों का सृजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग 41 हजार नियुक्तियां प्रदान की हैं जिसमें से आज 8 हजार 32 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। यह हमारी दृढ इच्छाशक्ति का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में भर्ती परीक्षाओं में युवाओं के साथ खिलवाड़ हुआ। जिन्होंने अन्याय किया उनके विरूद्ध हम कठोर कार्रवाई कर रहे हैं। चाहे कितना ही बड़ा व्यक्ति हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 10 औद्योगिक क्षेत्रों का चिन्हीकरण किया है जिससे युवाओं के लिए रोजगार का सृजन भी होगा। साथ ही, जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित हो रही राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। उन्होंने कहा कि स्टेट स्किल पॉलिसी बनाकर दो साल में 1.50 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए युवा नीति-2024 भी लेकर आ रही है। शर्मा ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) वाउचर योजना का शुभारंभ भी किया। इस योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाएं 1,161 निजी पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी करा सकेगी। इस योजना पर राज्य सरकार 10 करोड़ रुपये से अधिक प्रतिवर्ष व्यय करेगी। मुख्यमंत्री ने गर्भवती महिलाओं को वाउचर देकर मा योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े नवनियुक्त कार्मिकों एवं योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया।

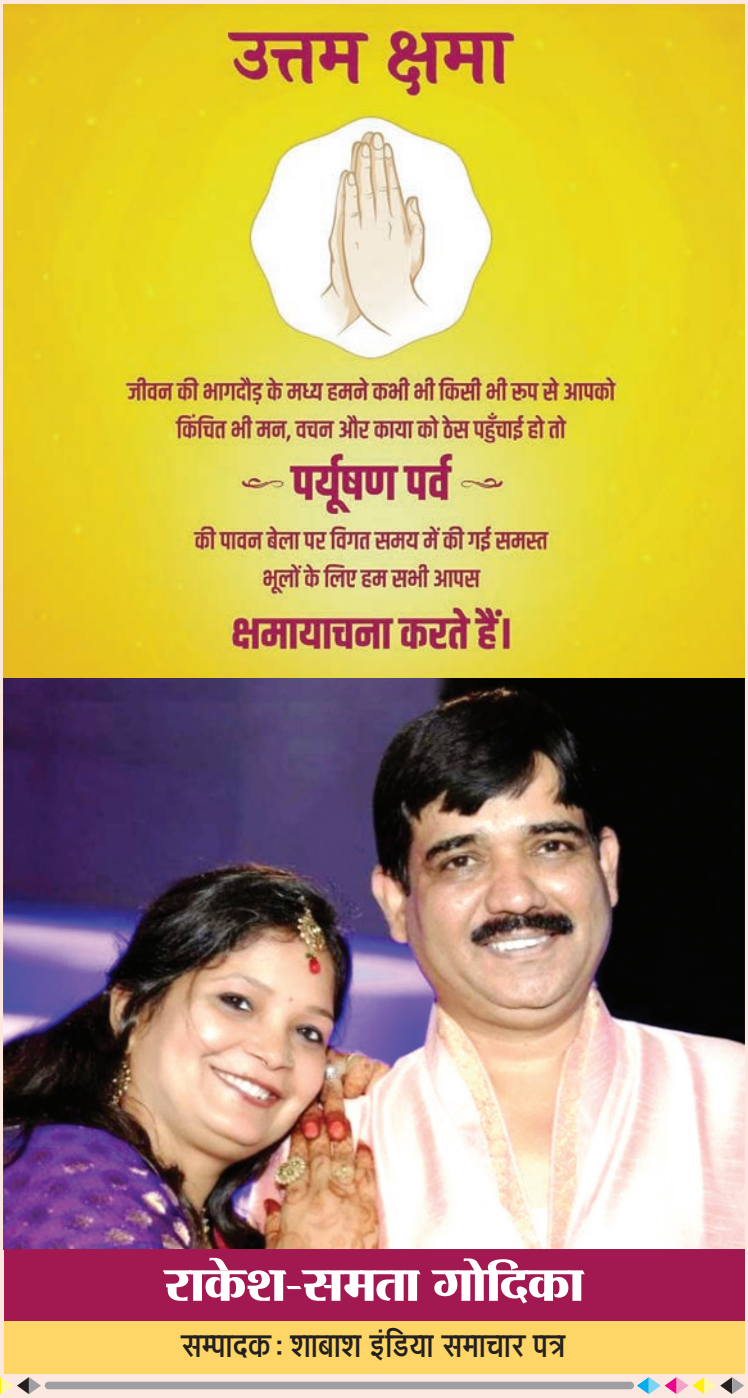

सम्पादक : शाबाश इंडिया समाचार पत्र

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

न जाने कितनी बार, कितनों का दिल दुखाया है,
आज इस पावन पर्व पर प्रायश्चित का अवसर पाया है।

हृदयतल से सबको क्षमा,
सबसे क्षमा

"उत्तम क्षमा"

नंदकिशोर-शांता देवी जैन पहाड़िया
प्रमोद-नीना जैन
सुनील-निशा जैन, अंकित-इति जैन
अक्षत, आदविक व आन्या जैन

ARL Infratech Ltd.
AKSHAT
A WAY OF LIFE

दशलक्षण पर्व का अनंत चतुर्दशी के दिन हुआ समापन

भगवान वासुपूज्य स्वामी का मोक्ष कल्याणक निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया

सनावद. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज के 8 से 17 सितंबर तक चल रहे पावन दशलक्षण महापर्व का मंगलवार को समापन हुआ। अनंत चतुर्दशी होने के कारण जैन मंदिरों में श्री जी के जलाभिषेक, शांतिधारा के बाद विभिन्न पूजा संपन्न हुई। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान वासुपूज्य स्वामी के जलाभिषेक, शांतिधारा के बाद भगवान सुपार्श्वनाथ, भगवान वासुपूज्य, भगवान अनंतनाथ, सोलह कारण, दशलक्षण, रत्नत्रय, निर्वाण क्षेत्र तथा जिनवाणी की पूजन की गई। भगवान वासूपूज्य स्वामी का निर्वाण महोत्सव होने के कारण निर्वाण कांड भाषा के सामूहिक वाचन के बाद मोक्ष गमन का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। पूजन में सत्येंद्र जैन, धीरेंद्र बाकलीवाल, संतोष बाकलीवाल, राकेश जैन, प्रियम जैन, जंगलेश जैन, नरेश पाटनी, शुभम जैन, सम्मी जैन, राजेश चौधरी, निलेश बाकलीवाल, आशीष पाटनी,लविश पाटनी, हेमचंद्र पाटौदी, शैलेंद्र जैन, विशाल चौधरी, प्रिया जैन, सपना जैन विनीता बाकलीवाल, संध्या जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आदिनाथ जिनालय में भी भगवान वासूपूज्य स्वामी के निर्वाण महोत्सव के अंतर्गत भगवान की पूजन कर प्रफुल्ल जैन, राजेश जटाले, पुष्पेंद्र जैन, सहित अनेक श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ाकर पुण्यार्जन किया। पर्व के समापन पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, आदिनाथ जिनालय में सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा हुई । पूज्य आर्यिका सरस्वती माता जी एवं आर्यिका अनंत मति माताजी के दसों दिन दस धर्मों तथा तत्वार्थ सूत्र पर विशेष प्रवचन हुए।

उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एवं श्री वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एवं श्री वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रातः काल सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक कर चांदमल जैन एवं मयंक पाटनी ने पदम प्रभु भगवान, दिनेश अग्रवाल ने आदिनाथ भगवान, प्रदीप गदिया ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की एवं अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। इस उपरांत श्रीवासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक का निर्वाण कांड का वाचन कर सामूहिक रूप से निर्वाण लाडू समर्पित किया। जयकारों से वातावरण गूंज उठा। बधाई गीत से महिलाओं ने भक्ति नृत्य किया। बाद में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना कर दश लक्षण विधान पर अर्ग समर्पित कर समापन हुआ। बड़ी संख्या में धर्मालुगण उपस्थित हुए। कल्पना सोगानी के निर्देशन में पूजा संपन्न हुई। आज दोपहर 2:00 बजे श्री शांतिनाथ भगवान को गंधकुटी पर विराजमान कर श्रीमती सुमन पाटनी के निर्देशन में पूजा-अर्चना कर अभिषेक पाठ द्वारा श्रीजी पर कलशाभिषेक किया गया। सभी ने गंधोदक लेकर धन्य हुए। भगवान का मार्जन कर पुनः श्रीजी को वेदी पर विराजमान किया।

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर
गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय,
राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

रमेश चंद्र-सुमति देवी
यश कमल-संगीता
विभोर-आयुशी अजमेरा

वेद ज्ञान

इंसान को अपनी गलतियों को सुधारना चाहिए

अक्सर लोग दूसरे व्यक्ति की छोटी से छोटी गलती तलाशने में जरा भी देरी नहीं लगाते। वहीं वे अपनी बड़ी से बड़ी गलती को भी नजरअदांज करते हैं। जो सहजता से अपनी गलती मान लेता है, वह जीवन में सकारात्मक सोच और अध्यात्म की दिशा में जीवन के पथ पर आगे बढ़ता है। अपनी गलती सबके सामने स्वीकार करने का साहस विरले लोग ही दिखा पाते हैं। अधिकांश लोग यही चाहते हैं कि उनकी गलतियां छिपी रहें, दूसरों के सामने प्रकट न हों। यहां तक कि गलती सामने आने पर वह उससे मुकरने में भी देरी नहीं लगाते। ऐसा करके वे दूसरे लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन उनका स्वयं का अंतर्मन इस बात को जानता है कि वे गलत हैं। खाली समय मिलने पर अंतर्मन में अक्सर गलती वाली बात हर इंसान को कचोटती है। कई इंसान जो संकोची प्रवृत्ति के साथ ही संवेदनशील भी होते हैं, उनके अंदर तो यह बात इस हद तक घर कर जाती है कि उनका मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इंसान को गलतियों का पुतला माना गया है। इसलिए यह सार्वभौमिक सत्य है कि हर इंसान कहीं न कहीं और कभी न कभी गलती करता ही है। गलती करना इंसान का कार्य है तो उस गलती को स्वीकार करना भी इंसान का ही कार्य है। अपनी गलती और जिद पर अड़े रहने वाले व्यक्ति को समाज सम्मान नहीं देता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जो व्यक्ति अपनी असफलताओं और गलतियों को मान लेते हैं, उनका जीवन पहले से अधिक सुंदर हो जाता है। उनमें आत्मविश्वास और सद्गुणों का विकास होता है। ऐसे व्यक्ति जो स्वयं की गलती स्वीकार नहीं करना चाहते, उनमें धीरे-धीरे नकारात्मक गुणों का विकास होने लगता है। गलती छिपाने के लिए इंसान को अक्सर असत्य बातों को बोलना पड़ता है। ये असत्य बातें ऐसे व्यक्तियों के जीवन का एक अंग बन जाती हैं। गलती स्वीकार करना एक साहसिक कार्य है। ऐसा व्यक्ति ईश्वर के अधिक निकट पहुंच जाता है। जो अपनी गलती स्वीकार करने का साहस नहीं रखते, उनके अंदर से प्रेम, दया और कर्तव्य का लोप हो जाता है। ऐसे लोग अपने और अपनी जरूरतों के प्रति उदासीन हो जाते हैं। उनके अंदर एक भावनात्मक खालीपन उत्पन्न हो जाता है।

संपादकीय

झकझोर जाती है आत्महत्या की हर एक घटना

आत्महत्या की हर घटना झकझोर जाती है, पर जब कोई प्रतिभावान युवा अपनी जान लेता है, तो यह न केवल त्रासद, बल्कि पूरे देश-समाज के लिए नुकसानदायक बात है। बड़े दुख की बात है कि दिल्ली में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के 25 वर्षीय स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र को उसके कमरे में मृत पाया गया। प्रथम दृष्टया, ऐसा लग रहा है कि छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, लेकिन पुलिस को व्यापकता में जांच करनी चाहिए और हर आशंका को परखना चाहिए। जानना जरूरी है कि आखिर एक टॉपर छात्र ऐसे मुकाम पर कैसे पहुंच गया? वह रेडियोलॉजी का द्वितीय वर्ष का छात्र था और उसे बेहतरीन विशेषज्ञ डॉक्टर बनना था। लोग यह भूले नहीं थे कि पंजाब का यह छात्र साल 2017 में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी या नीट) का टॉपर था। उसके पिता सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल हैं और छोटा भाई भी मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। जिस परिवार ने अपना होनहार खोया है, उसके साथ सबकी संवेदना होनी चाहिए। ऐसी घटनाएं समाज को विचलित कर देती हैं। समाज विज्ञानियों और चिकित्सकों को मिलकर अध्ययन करना चाहिए। ध्यान रहे, दिल्ली में ही 27 अगस्त को ओल्ड रेजिडेंट डॉक्टर हॉस्टल में एक 20 वर्षीय मेडिकल छात्र का शव मिला था। छात्रों के बीच भी यह सवाल बार-बार उठ रहा होगा। क्या निराशा इतनी बढ़ गई है कि अपनी जीवन में पढ़ाई के झंडे गाड़ने वाले छात्रों को भी अपना भविष्य स्याह लग रहा है? इस साल फरवरी के महीने में यह आंकड़ा सामने आया था कि पिछले पांच वर्षों में कम से कम 122 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें से 64 एमबीबीएस में और 58 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अध्ययनरत थे। यह संख्या कम नहीं है। एक भावी चिकित्सक को ऊर्जा और उत्साह से भरपूर होना चाहिए, क्योंकि उसे लोगों की सेवा के लिए समर्पित होना है। उसे चिकित्सक बनने का मौका मिला है और अच्छे चिकित्सकों को लोग भगवान की तरह आदर देते हैं। सम्मानजनक जिंदगी की ओर जा रहे छात्रों के दिलोदिमाग में निराशा का एक कतरा नहीं होना चाहिए, पर हर महीने औसतन दो मेडिकल छात्र आत्महत्या कर लेते हैं? राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने इस साल फरवरी में यह भी बताया था कि पांच साल में 1,270 मेडिकल छात्रों ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। एक और तथ्य गौरतलब है कि पढ़ाई छोड़ने वालों में से 153 विद्यार्थी एमबीबीएस कर रहे थे और 1,117 ने स्नातकोत्तर के दौरान पढ़ना छोड़ दिया। मतलब, विशेषज्ञ चिकित्सक बनने का मौका भी हाथ से निकलने दिया जा रहा है? क्या चिकित्सा शिक्षा का ध्यान रखने वाली जिम्मेदार संस्थाओं ने इन तथ्यों पर गहराई से गौर किया है? बेशक, छात्रों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बढ़ती जा रही है। यह होनहार सिख छात्र भी शायद आत्महत्या न करता, अगर उसके पास संस्थान के होस्टल की सुविधा होती।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जनगणना में देरी

2021 में होने वाली जनगणना को लेकर ऐसे संकेत सामने आना ठीक नहीं कि उसमें न केवल देरी होगी, बल्कि वह 2027 से पहले संभव नहीं होगी। ऐसे संकेत इसलिए उभर रहे हैं, क्योंकि इस बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं कि वह वस्तुतः कब शुरू होगी। जनगणना में देर होने की आशंका उभरने का एक कारण यह भी है कि इस बार बजट में उसके लिए कोई प्रविधान नहीं किया गया। अब यदि अगले बजट में उसके लिए प्रविधान किया जाता है तो 2025-26 में ही जनगणना का काम शुरू हो सकता है। जनगणना एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है और उसके पूरा होते-होते यदि 2027 बीत जाए तो हैरानी नहीं। 2021 की जनगणना कोविड महामारी के कारण स्थगित की गई थी। यह ठीक ही था। इस भयावह महामारी से जूझते हुए जनगणना संभव नहीं थी, लेकिन उसके समाप्त होने के बाद तो वह सरकार की प्राथमिकता में शामिल होनी ही चाहिए थी। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि महामारी के दौर में भी अनेक राज्यों में विधानसभा चुनाव कराए जाते रहे और कई अन्य बड़े आयोजन भी किए जाते रहे। यह सही है कि लोकसभा चुनाव के आसपास जनगणना कराना संभव नहीं था, क्योंकि उसमें भी आम तौर पर उन्हीं कर्मचारियों की ड्यूटी लगती है, जो जनगणना करते हैं। समझना कठिन है कि यह क्यों नहीं सुनिश्चित किया जा सका कि 2025 में जनगणना का काम हर हाल में शुरू हो सकता। जनगणना में देरी होने का मतलब है सरकारी नीतियों के क्रियान्वयन और योजनाओं के निर्माण में 2011 के आंकड़ों से ही काम चलाने की मजबूरी। ध्यान रहे कि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग सरकारों के साथ उद्योग जगत और शोध संस्थाएं भी करती हैं। इसके अतिरिक्त संसद, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधित्व का आवंटन और निर्वाचन क्षेत्रों के सीमांकन में भी

जनगणना के आंकड़ों का ही इस्तेमाल किया जाता है। यदि प्रस्तावित जनगणना के आंकड़े सामने आने में देरी होती है तो फिर महिला आरक्षण लागू करने में भी विलंब हो सकता है। संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करना तब संभव होगा, जब निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से परिसीमन होगा और परिसीमन के लिए जनगणना के अद्यतन आंकड़े चाहिए होंगे। जनगणना में देरी से उसका चक्र प्रभावित होने की भी आशंका है, क्योंकि अभी यह कहना कठिन है कि 2031 में जनगणना कराने की आवश्यकता समझी जाएगी या नहीं? निःसंदेह मौजूदा सरकार के समक्ष यह दुविधा भी होगी कि जनगणना के साथ जाति गणना कराई जाए या नहीं? जाति गणना की मांग बढ़ती चली जा रही है और पिछले दिनों तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी उसकी आवश्यकता जता दी। सरकार का जाति गणना पर जो भी फैसला हो, यह मानकर चला जाना चाहिए कि वह ऐसे जतन अवश्य कर रही होगी, जिससे जनगणना में अधिक विलंब न होने पाए।

स्वयं में रमण कर आत्मा के स्वभाव को पहचानना उत्तम ब्रह्मचर्य : मोतीलाल जैन

कामां, डीग. शाबाश इंडिया। दस लक्षण महापर्व के अंतिम दिवस जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई तो वहीं उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना भी की गई। इस अवसर पर शांतिनाथ दिगम्बर जैन खंडेलवाल पंचायती मंदिर दिवान में भगवान दास जैन व संजय जैन बड़जात्या द्वारा वृहद शांति धारा की गई। मन्दिर समिति के कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन के अनुसार 24 तीर्थंकरों की पूजन श्रावक श्राविकाओं द्वारा की गई तो वहीं दोपहर को विजय मती स्वाध्याय भवन में प्रवचन करते हुए मोतीलाल जैन ने कहा स्वयं में रमण कर आत्मा के स्वभाव को पहचानना उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म है। ब्रह्मचर्य का सामान्य अर्थ शील व्रत के पालन से लगाया जाता है किंतु जैन धर्म मे इसका बड़ा ही गूढ़ अर्थ है। स्वयं में रमण अर्थात आत्मा के वास्तविक स्वरूप से परिचय करना है। अंतरंग को निर्मल करते हुए बाह्य परिग्रह,सांसारिक रमणता को समाप्त कर वैराग्य के पथ पर प्रशस्त होना है। उन्होंने समझाते हुए कहा कि आत्मा पुदगल से भिन्न है। सात्विकता के साथ संयम साधना करते हुए अंतरात्मा को पहचानना ही उत्तम ब्रह्मचर्य है। व्रत,उपवास, एकासन रखें धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि अनंत चतुर्दशी पर यथासंभव महिलाओं पुरुषों व बच्चों द्वारा व्रत, उपवास, एकासन, बेला,तेला आदि रखे गए। जिनका पारणा 18 सितम्बर को प्रातः होगा।अनंत चतुर्दशी के पर्व के साथ दस दिवसीय दसलक्षण पर्व का विधिवत समापन हुआ।

दसलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर भक्तिभाव से संपन्न हुई विशाल भजन संध्या

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन बीस पंथी नागौरी आमनाय पंचायत छोटा धड़ा की नसिया जी जहा अतिशयकारी एवम चतुर्थकालीन 1008 श्री आदिनाथ भगवान का दरबार है में श्री दिगंबर जैन संगीत मंडल अजमेर के तत्वावधान में एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमे जैन भजन सम्राट प्रोफेसर सुशील पाटनी ₹शील₹,संजय पहाड़िया,सुभाष पाटनी, अंकित पाटनी,सुशील दोषी,नरेश गंगवाल, विरेंद्र जैन एवम धनकुमार लुहाड़िया आदि की टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। ''करता हु तुम्हारा सुमरन उद्धार करो जी हे ऋषभ जिनंदा,मनवर तेरी मूरतिया मस्त हुआ मन मेरा,बाबा तेरे चरणों की बाबा चरणों की गर धूल मिल जाए'' सहित बीस से अधिक भजन पर समाज के हर वर्ग ने भक्ति की। कार्यक्रम आयोजक एवम पुण्यार्जक परिवार के अतुल पाटनी ने बताया कि दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर विगत त्रयोदस वर्षों से आज के दिन श्रीजी के सम्मुख एवम भक्तिगान से भरपूर भजनों का कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमे बाबा के भक्त भावविभोर होकर भक्ति नृत्य करते है श्रेष्ठ भक्ति करने वाले 150 से अधिक व्यक्तियों को पाटनी परिवार द्वारा सम्मानित करते हुए पुरस्कृत किया गया।

JAIN APPLIANCES
A HOUSE OF ELECTRONIC

VOLTAS Symphony Whirlpool SONY
micromax orient electric LG IFB
Panasonic MITASHI BAJAJ Godrej
GENERAL HAVELLS KENT SAMSUNG

विनोद जैन

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में
अगर टूटा हो आपका मन तो
क्षमावाणी के इस पर्व पर
दे दीजिये हमें क्षमा का दान

B 3, Opposite Pink Square,
Sindhi Colony, Jaipur- 7014436411, 0141-261800

दशलक्षण पर्व में पं. डॉ.महावीर का किया सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आशीष नगर 'दशलक्षण महापर्व की उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के दिन उदयपुर पधारे डॉ . पं .महावीर प्रसाद शास्त्री का समाज द्वारा सम्मान किया गया। प्रवचन करते हुए पं.डॉ . महावीर प्रसाद शास्त्री उदयपुर ने कहा कि ज्ञायक स्वरूपी आत्मा के दर्शन करना ही हमारा ध्येय हो । प्रातः समयसार पर व्याख्यान करते हुए कहा कि जैन धर्म परीक्षा प्रधानी है। वह किसी को देखा देखी करने को नहीं कहता है । आचार्य कुंदकुंद देव ने अपने शिष्यों को परीक्षा प्रधानी बनाया है न कि अंध भक्त । जैसे अनार्य को अनार्य भाषा में समझाना जरूरी है। वैसे व्यवहारी को व्यवहार की भाषा में समझाना आवश्यक है। प्रातः साधर्मिजनों द्वारा प्रक्षाल - पूजन भक्ति भाव से की गई ।

श्री वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर चढ़ाया गया 12 किलो का निर्वाण लाडू सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान की पावन धरा पर अद्वितीय द्वितीय वर्षायोग 2024 भारत गौरव गणिनी गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में आज अनंत चतुर्दशी पर्व पर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजन की गई। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की मंडल पर 22 अर्घ्य चढ़ाकर भक्तों ने खूब भक्ति आराधना के साथ विधान का समापन किया। तत्पश्चात भगवान वासुपूज्य जी के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर 12 किलो का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य कमलचंद सेठी मुंबई सपरिवार ने प्राप्त किया। इसी के साथ निवाई,चाकसू,जयपुर से पधारे हुए भक्तों ने आतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की शिक्षा देते हुए पूज्य माताजी ने सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहां की ब्रह्म यानी आत्मा चर्य यानी आचरण करना। जो मनुष्य आत्मा की ओर दृष्टिपात करके उसी में रमता है वह ब्रह्मचारी कहलाता है। अपने आप को अंतर्मुख करके आत्म सिद्धि करना ही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। इस अवसर पर पूज्य गुरुमां ने भक्तों को आत्म ज्ञान की शिक्षा दी एवं आत्म उन्नति का साधन उन्हें प्रदान किया। आज के विधान के पुण्यार्जक भागचंद उषा देवी रारा नलवाड़ी परिवार,सुनीता जैन नोएडा दिल्ली,संजय पाटोदी जयपुर, पंकज ममता जैन आगरा एवं शैलेश छाबड़ा सीकर सपरिवार ने प्राप्त किया। आज आर्यिका संघ ने अनशन व्रत धारण किया। पूज्य गुरुमां के सान्निध्य में कल क्षमावाणी महापर्व का उत्सव मनाया जाएगा। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की इस अवसर पर विशेष प्रवचन का आयोजन सुबह 9:00 से होने जा रहा है। तत्पश्चात 19 सितंबर को वार्षिक कलशाभिषेक का भव्यतिभव्य आयोजन चातुर्मास समिति के द्वारा किया गया है। सभी भक्तगण पधारकर अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के दर्शनों का लाभ प्राप्त करें एवं अपने जीवन में अतिशय पुण्य कमाए।

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

Umrao Mal Sanghi
President
Shri Mahaveer Digamber Jain
Shiksha Parishad
Jaipur

Naveen Sanghi
Director
Jain Saraogi Cold Storage
Jaipur

सामूहिक आराधना से अनंत कर्मों की निर्जरा होती है: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में पुच्छिस्सुणं संपुट की सातवीं गाथा का जाप

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। अशुभ कर्मों की निर्जरा परमात्मा की भक्ति से होती है, और सामूहिक भक्ति से कर्मों का सामूहिक क्षय संभव है। मंगलवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के पावन सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की सातवीं गाथा का जाप संपन्न हुआ।इस विशेष अवसर पर गाथा की महिमा का विस्तृत वर्णन करते हुए इसके आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए समझाया कि इसमें परमात्मा को सर्वोच्च गुणवत्ता और आदर्श रूप में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने उसी धर्म और सिद्धांत की परंपरा को आगे बढ़ाया, जो सभी तीर्थंकरों ने स्थापित की थी। यह धर्म और सिद्धांत आत्मा की शुद्धि और मोक्ष के मार्ग की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और श्रेष्ठ तत्व आत्मा ही है, और आत्मा के अस्तित्व से ही हमारे जीवन में संवेदनाएं और संवाद संभव हैं। युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने तीर्थंकरों के उपदेशों और जीवन शैली का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से हजारों और लाखों आत्मा ओं का उद्धार हुआ। भगवान महावीर के जीवन से प्रेरणा लेकर लोगों ने आत्मबोध प्राप्त किया और उनके जीवन में शुद्धि एवं मुक्ति का मार्ग खुला। आत्मबोध का यह संदेश तीर्थंकरों ने दिया, जिससे व्यक्ति अपने जीवन के उद्देश्यों को पहचान सके और मुक्ति की दिशा में अग्रसर हो सके। तीर्थंकर केवल धार्मिक नेता नहीं थे, बल्कि वे उस परंपरा के मार्गदर्शक थे, जो आत्मशुद्धि और मोक्ष की दिशा में सभी को अग्रसर करती है। उनकी उपस्थिति से साधक स्वयं को सुरक्षित और प्रेरित महसूस करते थे। युवाचार्यश्री ने कहा कि जब परमात्मा हमारे मार्गदर्शक होते हैं, तो हमें किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि वे हमारे लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में होते हैं। जब एक साथ मिलकर परमात्मा की भक्ति की जाती है, तो उसमें विशेष सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह सकारात्मक ऊर्जा साधकों को एकता और आत्मशुद्धि की दिशा में प्रेरित करती है। सामूहिक भक्ति से न केवल व्यक्तिगत, बल्कि सामूहिक रूप से भी कर्मनिर्जरा होती है, अर्थात कर्मों का क्षय होता है। अशुभ कर्मों की निर्जरा परमात्मा की भक्ति से होती है, और सामूहिक भक्ति से कर्मों का सामूहिक क्षय संभव होता है। युवाचार्यश्री ने साधना के महत्व पर प्रकाश डालते हूए कहा कि साधना का वास्तविक अर्थ है किसी भी परिस्थिति में अपने लक्ष्य से विचलित न होना। उन्होंने परमात्मा की साधना की महिमा बताते हुए कहा कि परमात्मा ने उन सभी को साधना के पथ पर अग्रसर किया, जो वास्तव में आगे बढ़ने की इच्छा रखते थे। ऐसी साधना जीवन में आनंद और मंगल का संचार करती है। युवाचार्यश्री अपने प्रवचन में यह भी संदेश दिया कि सामूहिक आराधना जीवन में मंगल और शांति प्रदान करती है। जब हम सभी एक साथ मिलकर परमात्मा की उपासना करते हैं, तो अनंत अशुभ कर्मों की निर्जरा होती है। इस प्रकार की आराधना न केवल व्यक्तिगत जीवन को शुद्ध करती है, बल्कि सामूहिक रूप से भी साधकों को शुद्धि और मोक्ष की दिशा में

प्रेरित करती है ओर जीवन में मंगल को प्रदान करने वाली है। धर्मसभा मे अनेक क्षेत्रों के पधारें अतिथियों की उपस्थिति रहीं। धर्मसभा का संचालन राकेश विनायका ने किया।

सुरेन्द्र कुमार-मृदुला जैन पांड्या

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
पूर्व अध्यक्ष
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन
पूर्व अध्यक्ष
दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
अध्यक्ष
जन समस्या समिति, महावीर नगर, जयपुर
उपाध्यक्ष
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा, पदमपुरा
उपाध्यक्ष
महावीर शिक्षा समिति

आत्मशुद्धि के महापर्व
पर्यूषण के पुनीत अवसर पर
गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय,
राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए
क्षमा याचना

राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति
संरक्षक: दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

पता: 477, एकता ब्लॉक,
महावीर नगर, जयपुर (राज.)
मो.: 98290-63341

दुबई अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर रोड शो में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने लिया भाग

जयपुर. कासं

राजस्थान में निवेश करने के लिए निवेशकों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जायौदी से दुबई में मुलाकात की और ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दुबई अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर रोड शो में भाग लिया। इसके अलावा, कर्नल राठौड़ और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कई प्रमुख कंपनियों और यूएई-इंडिया बिजनेस काउंसिल के यूएई चैप्टर के सदस्यों के साथ भी बैठकें की और उन्हें राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर निवेशकों को संबोधित करते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को आने वाले वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके तहत, हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि हमें राजस्थान को भी आर्थिक रूप से विकसित बनाना है और इसके लिए हमारी सरकार के पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है। इसीलिए, अपनी सरकार के कार्यकाल के पहले वर्ष में ही हम ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर रहे हैं और प्रदेश में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की भी हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। हमने अपनी कई नीतियों में बदलाव किया है और आने वाले दिनों में हम कई अन्य नई नीतियां भी शुरू करने वाले हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निवेशक कम से कम लागत पर और परेशानी से मुक्त होकर प्रदेश में कारोबार कर सकें। दुबई में इन्वेस्टर मीट के दौरान कर्नल राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट, पेट्रोकेमिकल्स, वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य, अक्षय ऊर्जा, एआई फिल्म निर्माण क्षेत्रों, सोलर और स्टील मैन्यूफैक्चरिंग, स्वास्थ्य सेवा आदि क्षेत्रों से संबंधित कई कंपनियों के अधिकारियों के साथ चर्चा की। इनमें यूएई-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूआईबीसी) के यूएई चैप्टर से जुड़े व्यापारिक समूहों के साथ हुई बैठक शामिल है, जिनमें केफ होल्डिंग्स, डीपी वर्ल्ड, लुलु फाइनेंशियल होल्डिंग्स, अमीरात एनबीडी, शराफ ग्रुप, ईएफएस फैसिलिटीज जैसी कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया।

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में, अगर टूटा हो आपका मन तो
क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

PARAS-MONA
Nimisha, Nischal
Sogani Family Sanganer
Aupreksha, Shubham, Anshika Kasliwal

On the Occasion of Samvatsari, I Am Deeply Apologetic for
I Have Impaired in Any Way, Knowingly or Unknowingly,
My Words or My Thoughts. Please Forgive Me.

Sunil Kumar Jain
9214695692
9928077213

Arihant
Publishers & Distributors
Publisher, Library Books & General Order Suppliers
Specialist: IAS, RAS, LAW, NET Books & Notes

Shop No.: 397, Adarsh Bazar, Barkat Nagar, Tonk Phatak, Jaipur-15
E-mail: apdjaipur@gmail.com fb.com/arihantpublishersanddistributors

महापर्वः दशलक्षणधर्मः उत्तमक्षमधर्मात आरभ्य क्षमवाणीपर्वेण समाप्तः भवति।
अस्मिन शुभे अवसरे वयं ज्ञात्वा अज्ञात्वा वा कृतानां दोषाणां क्षमायाचनां कुर्मः।

क्षमावनत
रूक्मणी देवी जैन
भाग चंद जैन- अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर
से. नि. सहायक महा प्रबंधक एसबीआई
पूर्व परामर्शदाता प्रबंधकीय सेवा एसबीआई लाइफ
पूर्व सदस्य आयकर विभाग सलाहकार समिति;
पूर्व नोडल अधिकारी एनएचएआई
मनोरमा जैन
आशीष बाकलीवाल- रीजनल हेड एसएमई आईसीआईसीआई बैंक
आशिका जैन- व्याख्याता वनस्पति विज्ञान
अधीश जैन मित्रपुरा परिवार।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पश्चिमपुरी जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के अंतिम दिन मनाया उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म

भक्तों ने की प्रभु पारसनाथ की वृहद शांतिधारा

आगरा. शाबाश इंडिया। संयम और आत्म शुद्धि के पर्व दशलक्षण महापर्व देशभर के सभी जिनालियों में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ संपन्न किए गए इसी कड़ी में आगरा के पश्चिमपुरी स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में महापर्व का दसवां दिन 17 सितंबर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एवं वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक भी मनाया गया। महापर्व के अंतिम दिन सर्वप्रथम भक्तों ने स्वर्ण कलशों से मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा एवं श्रीजी की सभी प्रतिमाओं की वृहत शांतिधारा कौ श्री पार्श्वनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रावक श्रेष्ठी सुनील जैन एवं मनीष जैन को प्राप्त हुओवही पाण्डुक शिला पर विराजमान श्री शांतिनाथ भगवान के दाईं ओर से अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य सचिन जैन परिवार को प्राप्त हुआ। पाण्डुक शिला पर विराजमान श्री शांतिनाथ भगवान के बाईं ओर से अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य पंकज जैन एवं नीरज जैन को प्राप्त हुआ।इसके साथ ही 12 वें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान के मोक्षकल्याणक महोत्सव के अवसर पर निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य महेंद्र जैन एवं सुनीता जैन परिवार को प्राप्त हुआ।प्रभु की शांतिधारा के बाद पंडित रितेश जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में भक्तों ने अष्ट द्रव्यों के साथ संगीतमय उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एवं वासुपूज्य भगवान का पूजन किया। इस अवसर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश जैन,मंत्री राहुल जैन,संजय जैन, अनुराग जैन,पंकज जैन,अमित जैन, अमर जैन,विपिन जैन,विशाल जैन, रवि जैन,पंकज जैन जीएसटी, शैलेन्द्र जैन,चक्रेश जैन आदि लोग उपस्थित रहे। **रिपोर्टः चक्रेश जैन**

ताजगंज जैन मंदिर में मनाया वासुपूज्य भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज ताजगंज के तत्वावधान में दशलक्षण महापर्व के अंतिम दिन 17 सितंबर को उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म अनंत चतुर्दशी महापर्व एवं श्री वासुपूज्य भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महापर्व के दसवें एव अंतिम दिन सौभाग्यशाली भक्तों ने अतिशयकारी भगवान पारसनाथ का अभिषेक किया। पंडित सिद्धम जैन शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एवं वासुपूज्य भगवान का पूजन संपन्न कियो पूजन के मध्य में श्रावक-श्राविकाओं ने निर्वाण काण्ड का वाचनकर वासुपूज्य भगवान के समक्ष 12 किलो का निर्वाण लाडू अर्पित किया। पंडित सिद्धम जैन शास्त्री ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हर इंसान को ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए। वासना और पाखंड से मन को कभी भी विचलित नहीं होने देना चाहिए। नारी में माता,बहन का आदर लाना व्यवहार ब्रह्मचर्य है। हमें उत्तम ब्रह्मचर्य का पालन करके अपनी आत्मा में रमन करना चाहिए,सांय 7:00 बजे से संगीतमय में प्रभु पारसनाथ की मंगल आरती की गई रात्रि 8:00 बजे से ताजगंज बालिका मंडल द्वारा नाटक का मंचन किया गयो मंदिर के महामंत्री संजय बाबू जैन ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के समापन पर श्रीजी की रथयात्रा एवं कलशाभिषेक महोत्सव का आयोजन 18 सितंबर को दोपहर 1:00 से किया जाएगा। इस अवसर पर संजय जैन, संजयबाबू जैन उत्सव जैन,मधुर जैन, विजय योगेश जैन,मीरा जैन,ऋतु जैन,स्वाति जैन,अनुराधा जैन,मिनी जैन,पूनम जैन,रेशी जैन समस्त ताजगंज जैन समाज के लोग बडी.संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

सुनील बख्शी पुत्र स्व. श्री बख्शी भागचन्द जी

अध्यक्ष- दिगम्बर जैन मंदिर आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी)
मानद मंत्री-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर
संयुक्त सचिव- श्री दिगम्बर जैन मंदिर महासंघ, जयपुर
मानद मंत्री-दिगम्बर जैन मंदिर चाकसू का चौक एवं जग्गा की बावड़ी
ट्रस्टी- धर्मशाला बख्शी जी, रामगंज बाजार, जयपुर
ट्रस्टी-साईबाबा संस्थान, जयपुर
ट्रस्टी-वीरागोदय तीर्थ धार्मधाम, पथरिया, दमोह, म.प्र.

175, विराग बख्शी चैम्बर, बख्शी जी का चौक,
रामगंज बाजार, जयपुर, मो. 9929090242

विश्व प्रसिद्ध आचार्य लोकेश मुनि करवाएंगे पारणा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समुदाय के 8 सितंबर से 17 सितंबर तक चल रहे दसलक्षण पर्व के अंतर्गत आमेर रोड स्थित श्री विजय लालजी पांड्या की नसियां में दश लक्षण धर्म के पावन महोत्सव पर अनीता जैन बैराठी परिवार के तीन व्रतियों द्वारा लगातार तीसरे वर्ष दस दिन के उपवास किए जा रहे है ' नसियां में दश लक्षण धर्म पर्व बड़ी ही श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया जा रहा है । यह नसियां जयपुर की स्थापना से ही स्थापित है । यहां जैन धर्म के 22वे तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान की अतिशय कारी मूल नायक प्रतिमा है, व महावीर भगवान कि लाल पत्थर की पदमासन प्रतिमा व अन्य तीर्थकरो की प्रतिमाएं हैं ' श्रीमती अनिता जैन धर्मपत्नी स्व.श्री सियाराम शरण जैन, वार्ड संख्या 21 की पार्षद भी है, पुत्र वधू श्रीमती हिना जैन धर्मपत्नी वीर कुमार जैन, सुपुत्री सुश्री मानसी जैन सुपुत्री स्व. श्री सियाराम शरण जैन द्वारा यह कठिनतप व त्याग का अनूठा उदाहरण है । आज प्रातः सामूहिक दशलक्षण धर्म मंडल विधान पूजा के अंतिम दिन प्रथम अभिषेक व शांति धारा प्रसिद्ध मुनि भक्त व भामा शाह शिखर चन्द कासलीवाल ,मनोज कासलीवाल ,क्रिस कासलीवाल साईवाड वाले ने किया ' इसी के अंतर्गत व्रतियों के तप की अनुमोदना में विनतियों, जिसमे भगवान की भक्ति की जाती है, का कार्यक्रम भी रखा गया।

हिंदी दिवस पर 'शब्दाक्षर' का काव्य अनुष्ठान

कोलकाता. शाबाश इंडिया। रविवार की शाम 'शब्दाक्षर' पश्चिम बंगाल ने हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर, राम गोपाल मंच हावड़ा कोर्ट में काव्य अनुष्ठान आयोजित किया। 'शब्दाक्षर' के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह की मंच उपस्थिति में दक्षिण कोलकाता जिला अध्यक्ष डॉ .उर्वशी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस साहित्यिक काव्य-अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्राचार्य अश्वनी कुमार राय व 'शब्दाक्षर' के प्रदेश सचिव पार्थ सारथी उपाध्याय 'मौसम' आयोजक- संयोजक के रूप में तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंचासीन थे। कार्यक्रम का सफल संचालन 'शब्दाक्षर' दक्षिण कोलकाता के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार धानुक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश संगठन मंत्री मंत्री अवधेश मिश्रा ने ज्ञापित किया। हिंदी दिवस को समर्पित इस काव्य समारोह में मंचासीन पदाधिकारियों के साथ कोलकाता महानगर के जिन नामचीन रचनाकारों ने काव्य-पाठ किया उनमें से विशेष उल्लेखनीय नाम हैं- अवधेश मिश्रा 'सबरंग', कवि 'मौसम' डॉ. उर्वशी श्रीवास्तव, डॉ.शाहिद फरोगी, अश्वनी कुमार राय, प्रिया श्रीवास्तव, ओम प्रकाश चौबे, अबुल कलाम, जीवन सिंह, दीप चंद सोनकर, फिरोज अख्तर, धर्म देव सिंह, पंकज कुमार राय, अनीसा साबरी व संगीता व्यास।

सखी गुलाबी नगरी जयपुर

जीवन यात्रा में चलते चलते स्वार्थ, मोह, अज्ञानतावश हुई भूलों के लिए सच्चे स्वच्छ हृदय से क्षमायाचना करते हुए हम आपके स्नेह मैत्री भाव की कामना करते हैं

मिच्छामी दुक्कडम

अध्यक्ष: सारिका जैन

सचिव: स्वाति सेठी

उपाध्यक्ष सुषमा जैन

उपाध्यक्ष अनिता जैन

सह सचिव मोनिका जैन

सह सचिव ममता सेठी

सह सचिव रितु जैन

कोषाध्यक्ष नेहा जैन

सांस्कृतिक मंत्री मनीषा जैन

ग्रीटिंग कोऑर्डिनेटर रेशमा गोदिका

पीआरओ आशा जैन

कार्यकारिणी सदस्य:- सुनीता कसेरा, अंशु जैन, नीलू जैन, निकिता जैन, रानी पाटनी, सुनीता जैन, इंदु जैन, सरोज जैन, दिव्या जैन

एवं समस्त सदस्य सखी गुलाबी नगरी, जयपुर

क्षमावाणी पर्व पर विशेष

क्षमावाणी: मन का कलुष धोने का पर्व

डॉ. सुनील जैन संचय

भारत की प्राचीन श्रमण संस्कृति की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण 'जिन' परम्परा ने क्षमा को पर्व के रूप में प्रचलित किया है। इसे क्षमावाणी भी कहते हैं। विश्व के इतिहास में यह पहला पर्व है, जिसमें शुभकामना, बधाई, उपहार न देकर सभी जीवों से अपने द्वारा जाने-अनजाने में किए गए समस्त अपराधों के लिए क्षमायाचना करते हैं। क्षमा करने और क्षमा माँगने के लिए विशाल हृदय की आवश्यकता होती है। तीर्थंकरों ने सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना के लिए सूत्र दिया है–

खम्मामि सव्वजीवाणं, सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ती मे सव्वभूदेसु, वेरं मज्झम ण केणवि।।

अर्थात मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे भी क्षमा करें। मेरी सभी जीवों से मैत्री है। किसी के साथ मेरा कोई वैर भाव नहीं है। क्षमावणी का पर्व सौहार्द, सौजन्यता और सद्भावना का पर्व है। आज के दिन एक दूसरे से क्षमा मांगकर मन की कलुषता को दूर किया जाता है। मानवता जिन गुणों से समृद्ध होती है उनमें क्षमा प्रमुख और महत्वपूर्ण है। कषाय के आवेग में व्यक्ति विचार शून्य हो जाता है। और हिताहित का विवेक खोकर कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। लकड़ी में लगने वाली आग जैसे दूसरों को जलाती ही है, पर स्वयं लकड़ी को भी जलाती है। इसी तरह क्रोध कषाय को समझ पर विजय पा लेना ही क्षमा धर्म है। रामधारी सिंह दिनकर ने कहा है कि क्षमा वीरों को ही सुहाती है। उन्होंने लिखा है कि- क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत सरल हो।। क्षमा को सभी धर्मों और संप्रदायों में श्रेष्ठ गुण करार दिया गया है। जैन संप्रदाय में इसके लिए एक विशेष दिन का आयोजन क्षमावाणी के रूप में किया जाता है। मनोविज्ञानी भी क्षमा या माफी को मानव व्यवहार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि यह इंसान की जिन्दगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। क्षमावणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता बैर–दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है, हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठों को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदले, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत–घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें। अनुसंधानकताओं ने यह निष्कर्ष निकाला है कि लम्बे समय तक मन में बदले की भावना, ईर्ष्या–जलन और दूसरों के अहित का चिन्तन और प्रयास करने पर मनुष्य भावनात्मक रूप से बीमार रहने लगता है। जीवन में जब भी कोई छोटी-बड़ी परेशानी आती है तब व्यक्ति अपने मूल स्वभाव को छोड़कर पतन के रास्ते पर चल पड़ता है। जो कि सही नहीं है, हर व्यक्ति को अपना आत्मचिंतन करने के पश्चात सत्य रास्ता ही अपनाना चाहिए। हमारी आत्मा का मूल गुण क्षमा है। जिसके जीवन में क्षमा आ जाती है उसका जीवन सार्थक हो जाता है। क्षमायाचना और क्षमादान चाहे दो आत्मीय जनों के बीच हो अथवा समूहों या राष्ट्रों के बीच, यदि ईमानदारी के साथ क्षमायाचना की जाती है, तो यह अपमान की भावना का निराकरण करती है। क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमाशीलता का भारी महत्व है, पर हम इसके बारे में बहुत कम ध्यान देते हैं। क्षमा का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। अगर इंसान कोई गलती करे और उसके लिए माफी मांग ले तो सामने वाले का गुस्सा काफी हद तक दूर हो जाता है। जिस तरह क्षमा मांगना व्यक्तित्व का एक अच्छा गुण है, उसी तरह किसी को क्षमा कर देना भी इंसान के व्यक्तित्व में चार चांद लगाने का काम करता है। क्षमायाचना करने के लिए हममें अपनी गलती, असफलता और कमजोरी को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है। पर निरंतर जीत के लिए हम इतने आतुर होते हैं कि अपनी गलतियों और कमजोरियों को स्वीकार करने की हमें फुरसत ही नहीं मिलती। क्षमा ने ही युगों-युगों से मानव-जाति को नष्ट होने से बचाया है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना और आत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। क्षमा करने की प्रक्रिया में क्षमा करने वाला क्षमा पाने वाले से कहीं अधिक सुख पाता है।अगर आप किसी की भूल को माफ करते हैं तो उस व्यक्ति की सहायता तो करते ही हैं साथ ही साथ स्वयं की सहायता भी करते हैं। अतः मन के बैर-भाव के विसर्जन करने के इस अवसर को अपने हाथ से जाने न दें और इसका लाभ उठाते हुए सभी से क्षमा-याचना करें ताकि हमारा मन और आत्मा शुद्ध हो सकें। साथ ही दूसरे के मन को भी हम शांति पहुंचा सकें, यही हमारा प्रयास होना चाहिए।

क्षमावणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता बैर–दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है, हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठों को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदले, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत–घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें। अनुसंधानकताओं ने यह निष्कर्ष निकाला है कि लम्बे समय तक मन में बदले की भावना, ईर्ष्या–जलन और दूसरों के अहित का चिन्तन और प्रयास करने पर मनुष्य भावनात्मक रूप से बीमार रहने लगता है।

किसी ने ठीक ही लिखा है...

जैसा भी हो सम्बन्ध बनाये रखिये।
दिल मिले या न मिले हाथ मिलाते रहिये।।

-डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन, नेशनल कान्वेंट स्कूल के पास, 874/1, गांधीनगर, नईबस्ती, ललितपुर 284403 उत्तर प्रदेश 9793821108

वासुपुज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर्व पर श्रावकों ने चढ़ाया लड्डू

बड़ा मंदिर में श्रीजी का सामूहिक कलशाभिषक, अनंत चतुर्दशी पर्व पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक मे दसलक्षण पर्व का अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी पर्व बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया इस मौके पर श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा अर्चना कर मंदिरों के दर्शनों के लिए निकले जिसको लेकर मंदिरों एवं जिनालय श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी । समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता एवं वषायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया ने बताया कि दसलक्षण पर्व के तहत अनंत चतुर्दशी पर्व पर अंतिम दिन दसलक्षण महामंडल विधान में इन्द्र व इंद्राणियों उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा एवं वासुपूज्य भगवान सहित चौबीसो भगवान की पूजा अर्चना की गई । तत्पश्चात वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया जिसमें बालाचार्य निपूर्ण नंदी जी महाराज के ससंग सानिध्य एवं विधानाचार्य मनोज कुमार जी शास्त्री के मुखारविंद से वासुपूज्य भगवान की पूजा अर्चना कर निर्माण कांड बोलकर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया इस मौके पर इंद्राणी एवं महिलाओं द्वारा भक्ति नृत्य किया गया इससे पूर्व प्रातः काल की बेला में अभिषेक, 'शांतिधारा नित्य नियम पूजा की गई समाज के सांस्कृतिक मंत्री विकास अत्तार ने सायकाल को बताया कि जैन नसिया एवं श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर तख्ता श्री जी के सामूहिक कलशाभिषक का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए उसके पश्चात आरती ,प्रश्न मंच ,स्वाध्याय, शास्त्र सभा ,जिनवाणी ज्ञान के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए दशलक्षण पर्व मे त्यागी व्रतियों ने दस उपवास ,पांच उपवास , तीन उपवास एवं अनंत चतुर्दशी का उपवास किया वषायोग समिति के मंत्री धर्मेन्द्र पासरोटियां ने बताया कि बुधवार को सामूहिक क्षमावाणी पर्व श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर तख्ता में मनाया जाएगा।

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

RAJEEV-SEEMA JAIN
MD

M/s. GULSHAN RAI JAIN-II
('AA' Class Govt. Contractor)

94140 54571, 99280 90772 gulshanraijain@gmail.com

मन्दारगिरी पर्वत पर भगवान वासुपूज्य के गाजे बाजे से चढ़ाया गया निर्वाण लड्डू

दशलक्षण धर्म महापर्व का उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के साथ हुआ समापन

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में शहर के सभी जिनालयों में दशलक्षण धर्म महापर्व के चलते मंगलवार को श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में भगवान वासुपूज्य का गाजे बाजे से निर्वाण लड्डू चढ़ाया जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि निर्वाण महोत्सव कार्यक्रम से पहले मुनि श्री अनुसरण सागर महाराज के निर्देशन में एवं विद्वान पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के सानिध्य में भगवान आदिनाथ शांतिनाथ पार्श्वनाथ का प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ पंचामृत अभिषेक का आयोजन किया गया। इसके बाद सभी पूजार्थियो एवं इन्द्र इन्द्राणियो ने संगीत के साथ पूजा अर्चना की। समाजसेवी हितेश छाबड़ा एवं राकेश कठमाणा ने बताया कि दशलक्षण धर्म महापर्व के सोधर्म इन्द्र राकेश कुमार राजेश कुमार यूपी ने भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा करके मण्डल विधान की पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान भगवान वासुपूज्य का गाजे बाजे से निर्वाण लड्डू चडाने का सौभाग्य पवन कुमार सत्यनारायण विनोद कुमार गिर्राज कुमार महेश कुमार मोठूका परिवार को एवं पारसमल अजय कुमार जैन शिवाड़ परिवार को भगवान का मोक्ष लड्डू चडाने का सौभाग्य मिला। महेन्द्र चंवरिया एवं मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि दशलक्षण धर्म मण्डल विधान में पांच मंगल कलश स्थापना करने का सौभाग्य सोधर्म इन्द्र राकेश कुमार राजेश कुमार रश्मि जैन खुशी जैन यूपी को मिला। विधान में सैकड़ों इन्द्र इन्द्राणियो ने देव शास्त्र और गुरु सोलह कारण भावना दशलक्षण धर्म पूजा शांतिनाथ पूजा सरस्वती पूजा निर्वाण क्षेत्र पूजा रत्नत्रय पूजा के साथ उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की विशेष पूजा अर्चना संगीत के साथ करके दशलक्षण धर्म का समापन किया गया। इस दौरान इन्द्र त्रिलोक चन्द प्रियंका जैन दिलीप कुमार सिरस, सुशील कुमार नीरा जैन, महावीर प्रसाद शकुंतला छाबड़ा, विष्णु कुमार ममता बोहरा, महेश कुमार रिन्की मोठूका, पारसमल अजय कुमार शिवाड़, दिनेश कुमार सुरेंद्र कुमार माधोराजपुरा, महावीर प्रसाद प्रदीप कुमार माधोराजपुरा, नेमीचंद संजय कुमार सिरस, पदम चंद विमल कुमार सेदरिया, राकेश कुमार ज्ञानेश्वरी पहाड़ी, ताराचंद अनिता गोयल, राकेश कुमार पिंकी कठमाणा, संजय कुमार शशि सोगानी, सीताराम रमेश चंद बोहरा, भागचंद सिरस, सहित अनेक इन्द्र इन्द्राणियो ने मण्डल विधान में श्री फल अर्ध्य समर्पित किया।

दिगंबर जैन समाज के आराधना का पर्व दसलक्षण पर्व संपन्न

रत्नत्रय क्षमा वाणी का पर्व बुधवार को मनायेंगे

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

चिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज का 10 दिवसीय दस लक्षण पर्व संपन्न हुआ। अनंत चतुर्दशी पर श्रावक श्राविकाओं ने अभिषेक, शान्ति धारा, नित्य नियम पूजन, दस लक्षण की पूजन, मां जिनवाणी की पूजन, तत्त्वार्थसूत्र का वाचन, प्रतिक्रमण, सामायिक, आरती करते हुए अपनी आत्मा का कल्याण करते हुवे बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि कोटड़ी, भक्तामर विश्व धाम ड़ोला, पिड़ावा के सभी जिनालयों में 10 दिनों तक श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में आचार्य आर्जव सागर संसध व पंडित मुकेश जैन सुसनेर के कुशल नेतृत्व में अभिषेक, शांति धारा, पूजन, शास्त्र स्वाध्याय, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर श्रावक श्राविकाओं ने अपनी आत्मा को तप के माध्यम से मौक्ष मार्ग की

और अग्रसर किया है। जिनमें रेखा जैन पत्नी प्रवीण जैन ने 10 निर्जल उपवास व निक्की जैन, नरेंद्र जैन, ने 5 उपवास किये। अनंत चतुर्दशी के महापर्व पर श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में श्री सांवलिया पार्श्वनाथ भगवान पर महा शांतिधारा संजय जैन परिवार की और से की गई। उसके बाद चौबीस तीर्थंकर भगवान की पूजन की गई। पूजन के पश्चात दोपहर 3 बजे बड़े मंदिर से शोभायात्रा प्रारंभ हुई।

डॉ राजेन्द्र कुमार जैन
श्रीमती उर्मिला जैन

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशियाँ हजार देते हैं
खुश रहें खुशियाँ बाँटे, महान उसे कहते हैं

अंतरमन से क्षमा याचना

डी/58, सरोज निकेतन, ज्योति मार्ग,
बापू नगर, जयपुर- 9829123527

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए **क्षमा याचना**

पूर्णिमा हैण्डीक्राफ्ट्स

शोरूम : डी-57, प्रथम मंजिल एम.जी.डी. मार्केट,
त्रिपोलिया बाजार, जयपुर फोन : 2311266

फैक्ट्री : एफ-118-120, गारमेंट जोन,
सीतापुरा इण्डिट्रियल एरिया, जयपुर

info@poornimahandicrafts.com

जनकपुरी में केसरिया वस्त्रों में अभिषेक पूजन करने वालों की भीड़ से मंदिर हुआ केसरिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी -ज्योतिनगर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व महोत्सव में ब्रह्मचर्य धर्म की पूजन का आयोजन हुआ। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः आठ परिवारों ने भगवान के नये सिंहासन तथा आठ परिवार ने यन्त्र स्टैंड विराजमान किये इसके बाद विधान मण्डल पाण्डुशीला पर अभिषेक शान्तिधारा करने का सोभाग्य विद्या देवी विकास निकिता साखूनियाँ परिवार को मिला तथा वेदी पर नयी पाण्डुशिलाओं पर प्रथम अभिषेक सुभाष राजेश गर्ग , अशोक अंजू बाकलीवाल व देवेंद्र मीना कासलीवाल परिवार को मिला साथ ही शान्तिधारा का राकेश नवीन बाकलीवाल परिवार को मिला। आज धोती दुपट्टे पहने श्रावकों से तथा अभिषेक पूजन

अनंत चतुर्दशी पर चतुर्दश सोभाग्यशालियों ने पहनी भगवान की माल, ब्रह्मचर्य धर्म तथा आदिनाथ से अनंत नाथ भगवान की भक्ति भाव के साथ हुई पूजन। वासुपूज्य भगवान के निवाणोत्सव पर चढ़ाया गया निर्वाण लाडू।

कताओं से मन्दिर भरा हुआ था। इसके बाद नित्य पूजन, ब्रह्मचर्य धर्म विधान पूजन, आदिनाथ से अनंत नाथ भगवान की पूजन शिखर चन्द किरण जैन द्वारा साज बाज के साथ करायी जिसमें सभी ने करतल ध्वनि व भक्ति के साथ सहभागिता की। पूजा के बाद ब्रह्मचर्य धर्म के 108 जाप्य स्वाहा स्वाहा बोलते हुए किये गये। दिन में चोबीस तीर्थंकर की पूजा की गई। शाम को वार्षिक अभिषेक में भगवान की माल पहनने का सौभाग्य चौदह पुण्यशालियों को प्राप्त हुआ। प्रातः भगवान वासुपूज्य के निर्वाण उत्सव पर पूजन व निर्वाण काण्ड का वाचन कर निर्वाण लाडू मंजु राकेश पाटनी परिवार ने चढ़ाया । इधर दश दिवसीय विधान मंडल के समापन पर मुख्य कलश लेने का सौभाग्य प्रमोद स्वेता बडजात्या परिवार को मिला। प्रबंध समिति सदस्यों ,महिला मंडल व युवा मंच के सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा।

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर
गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय,
राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

पदम चन्द जैन (बिलाला) - पुष्पा देवी बिलाला
CA पारस बिलाला-दीपिका जैन
Er. पहुप बिलाला-रूचिका जैन
आदिश्री, आदिश, आदित, आदिवा
निवास: 21, शिवा कॉलोनी, इमली फाटक, जयपुर-15
मो. 9314524888, 9314024888

CA INDIA
Jain Paras Bilala & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS
OUR OFFICES :
New Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata, Noida, Kota,
Jodhpur, Udaipur, Ajmer, Triuppur (TN), Dibrugarh (Assam)

अनंत चतुर्दशी पर भक्तिभाव से हुआ दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व का समापन

तीर्थंकर वासुपुज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक पर किया निर्वाण लाडू समर्पित

सीकर. शाबाश इंडिया

पर्वाधिराज दशलक्षण महापर्व का भक्तिभाव से समापन अनंत चतुर्दशी के दिन मंगलवार को हुआ। अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा समस्त जैन मंदिरों में की गई एवं अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित विशेष विधान में समाज के समस्त लोग सम्मिलित हुए । भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी के दिन भगवान वासुपुज्य के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर प्रातः जैन मंदिरों में जिनेन्द्र प्रभु के अभिषेक व शांतिधारा पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि इस पावन अवसर पर शहर के समस्त जैन मंदिरों में प्रातः देर तक पूजन आदि के कार्यक्रम चल रहे थे। शहर के बड़ा जैन मंदिर में व्रतियों के साथ समस्त श्रद्धालु पूजन के दौरान श्री जी की भक्ति में झूम रहे थे। शहर के दीवान जी की नसियां में ब्रह्मचारिणी सविता दीदी व ज्योति दीदी के सानिध्य में प्रातः 1008 मंत्रो से सहस्त्रनाम शांतिधारा हुई व इसके पश्चात भगवान वासुपज्य को निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। शांतिधारा का सौभाग्य विनोद आरव दीवान परिवार व मुख्य निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य सुनील कुमार जितेंद्र कुमार दीवान परिवार को प्राप्त हुआ। शहर के समस्त जैन मंदिरों में जैन श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा अर्चना कर विश्व शांति की कामना की । देवीपुरा जैन मंदिर कमेटी अध्यक्ष पदम पिराका व मंत्री पंकज दुधवा ने बताया कि प्रातः शांतिधारा का सौभाग्य रामेश्वर लाल प्रदीप कुमार आलोक कुमार पाटनी परिवार व भगवान वासुपुज्य को मुख्य निर्वाण लाडू समर्पित करने का सौभाग्य कमल कुमार कार्तिक कुमार पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ।

अनंत चतुर्दशी के हुए कलशाभिषेक

सांयकाल बजाज रोड स्थित नया मंदिर, जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां , बावड़ी गेट स्थित बड़ा मंदिर में ब्रह्मचारिणी सविता दीदी व ज्योति दीदी के सानिध्य में अनंत चतुर्दशी के कलशाभिषेक हुए । ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ने बताया कि आत्मा ही ब्रह्म है और उस ब्रह्म रूपी आत्मा में चर्या करना ही ब्रह्मचर्य है। स्वयं की खोज करना उत्तम ब्रह्मचर्य है। ज्योति दीदी ने बताया कि स्वः साधना में रहना आत्म चिन्तन करना और आत्मा में रमण करना ही उत्तम ब्रह्मचर्य है। मन की वासना को रोकना और विचारों से विरक्त होना भी उत्तम ब्रह्मचर्य है।

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में
अगर टूटा हो आपका मन तो
क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार

मोहनलाल गंगवाल
अध्यक्ष

नवीन सेन जैन
संस्थापक अध्यक्ष

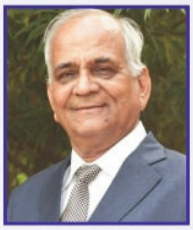
सुरेश जैन बांदीकुई
कार्याध्यक्ष

कैलाश सेठी
कोषाध्यक्ष

अतिरिक्त सचिव
सुरेश कुमार बज

संरक्षक
सतीश कुमार बाकलीवाल,
निहालचंद सोगानी,
विजय कुमार दीवान,
प्रो. आई.पी.जैन,
डॉ. सुनील कुमार जैन
सुभाष सेठी

पर्यटन मंत्री
सुरेन्द्र कुमार जैन

सह संगठन मंत्री
अनिल कुमार गोधा
सुलोचना पाटनी

सांस्कृतिक मंत्री
कौशल्या जैन
राज कुमारी सोगानी
रानी पाटनी

पूर्व अध्यक्ष
महावीर बाकलीवाल

मुख्य परामर्शक
चन्द्र कांता छाबड़ा

सलाहकार
कुन्दन मल जैन सोनी,
डॉ. के. के. कासलीवाल
महावीर कुमार गोदिका

खादय मंत्री
किशन चन्द जैन
ज्ञान चन्द जैन
संतोष जैन

प्रचार मंत्री
प्रेम सेठी
राकेश कुमार जैन

मुख्य समन्वयक
शशी सेन जैन

संगठन मंत्री
नरेन्द्र कुमार जैन,
वीरेन्द्र कुमार जैन

सह कोषाध्यक्ष
अजीत कुमार जैन

धार्मिक मंत्री
पूरणमल अनोपडा
ज्ञान चन्द गंगवाल
नरेन्द्र कुमार बाकलीवाल

उपाध्यक्ष
धर्म चन्द जैन
(निवाई वाले),
अरुण कुमार जैन,
नरेंद्र कुमार पाटनी

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजेन्द्र बाकलीवाल (बस्सी वाले)

योजना मंत्री
पदम चन्द रारा
डॉ. सुशीला जैन टोंग्या
वीणा जैन
संचालक गण
सुशीला त्यागी
रतन सोगानी
डॉ. आभा जैन
मन्जू पुरी
आशा अग्रवाल
इन्दु दोशी
रेणु बांकीवाल

एवं समस्त दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार परिवार

मानव जीवन की सार्थकता सत्संग श्रवण से ही है : साध्वी मधुसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जब व्यक्ति सत्संग श्रवण करता है, तो वह सच्चाई, धर्म और आध्यात्मिकता से जुड़ता है, जो उसके जीवन को एक दिशा और उद्देश्य प्रदान करता है। मंगलवार को पंचायती नोहरा जैन स्थाकन मे महासती मधुसुधा ने आयोजित प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दांलुओ को संबोधित करते हुए कहा कि सत्संग के माध्यम से व्यक्ति अपने आंतरिक विचारों को शुद्ध करता है और अपनी आत्मा को जाग्रत करता है। यह जीवन के अज्ञानता, मोह और माया से मुक्ति पाने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। जब व्यक्ति सत्संग में संत महात्माओं या ज्ञानी व्यक्तियों के विचारों और अनुभवों को सुनता है, तो उसे सही और गलत के बीच का अंतर समझ में आता है और वह अपने जीवन को एक बेहतर दिशा में ले जाने के लिए प्रेरित होता है। साध्वी संयमसुधा ने कहां कि सत्संग श्रवण करने न केवल मानसिक शांति मिलती है, बल्कि उसकी आंतरिक उन्नति भी होती है। इसे जीवन की कठिनाइयों और समस्याओं का सामना करने की शक्ति मिलती है। जब व्यक्ति सत्संग सुनता है, तो उसके भीतर संयम, धैर्य, करुणा और प्रेम जैसे सकारात्मक गुणों का विकास होता है, जो उसे एक सच्चे मानव के रूप में स्थापित करता हैं।मानव जीवन की सार्थकता सत्संग श्रवण से ही हो सकती हैं। धर्मसभा मे पधारें अनेकों क्षैत्रों के अतिथियों की उपस्थिति रही जिनका श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी, महामंत्री रोशनलाल जैन, रमेश खोखावत, कांतिलाल जैन, लक्ष्मी लाल वीरवाल,तथा महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सिरोया,संतोष जैन,पुष्पा खोखावत आदि सभी ने अतिथियों का स्वागत किया। निलिष्का जैन जानकारी देतें हुए बताया भुवाणा देवेंद्र धाम से महिला मंडल की ओर प्रखंर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा जी म.सा. के तपस्या के उपलक्ष्य मे चौबीसी कार्यक्रम रखा गया जिसमे सैकड़ों बहनों ने तपस्या के मंगल गीतगाकर तप की अनूमोदना की इसदौरान साध्वी प्रिती सुधा जी म.सा. ने 16 उपवास प्रत्याख्यान लिए आगे बड़ी तपस्या की ओर अग्रसर है।

-प्रवक्ता निलिष्का जैन

अनंत चतुर्दशी पर सुपार्श्वनाथ मंदिर में 108 रिद्धि मंत्रों से भव्य अभिषेक

तपस्वियों के होंगे पारणे, शोभायात्रा आज निकाली जाएगी, सुपार्श्वनाथ पार्क में दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। दिगम्बर जैन समाज के दसलक्षण (पर्युषण) महापर्व के अंतिम दिन मंगलवार को अनंत चतुर्दशी पर आचार्य श्री सुंदरसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क मंदिर में सुबह विधि विधान के साथ 108 रिद्धि मंत्रों से भव्य अभिषेक व शांतिधारा सैकड़ो भक्तों के साथ हुई। दोपहर में भगवान का अभिषेक व शांतिधारा के बाद वहां मौजूद सभी समाजजनों ने एक-दूसरे से क्षमायाचना की। दशलक्षण पर्व पर बुधवार सुबह आचार्य सुंदरसागरजी ससंघ के सानिध्य में दस,पांच व तीन उपवास करने वाले तपस्वियों के पारणे संयम भवन में करवाए जाएंगे। सुबह 7 बजे हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र से बैण्डबाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद आचार्य सुंदरसागरजी महाराज द्वारा दस उपवास की तपस्या आराधना पूर्ण होने पर आहारचर्या होगी। दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन सुबह प्रवचन में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की गई। प्रवचन में आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने कहा कि परिणामों में अत्यंत निर्मलता का नाम ही ब्रह्मचर्य धर्म है।

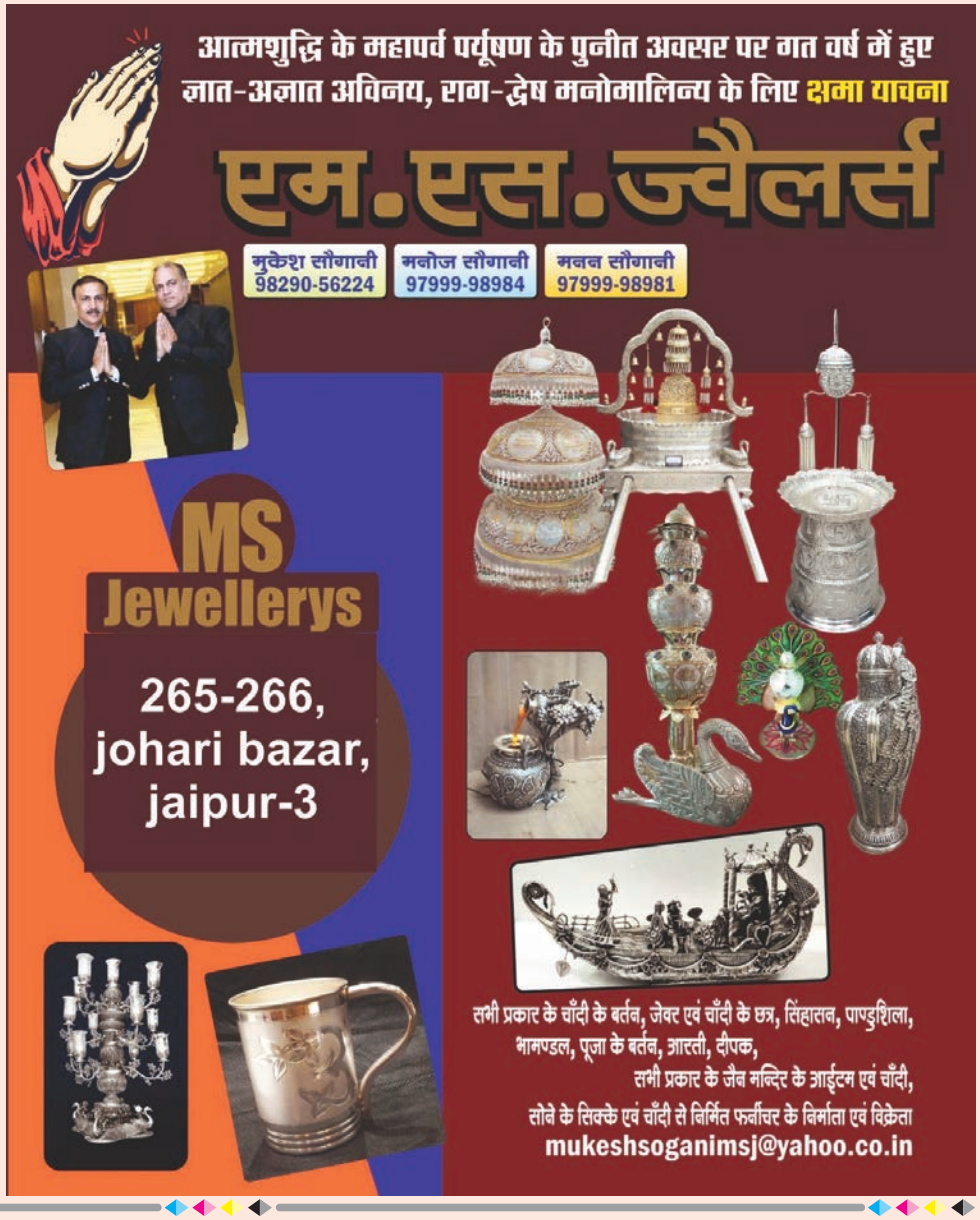

अनन्त चतुदर्शी पर जैन मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का ज्वार, तीर्थंकर प्रभु के हुए अभिषेक

सीकर. शाबाश इंडिया। मंगलवार को दशलक्षण पर्व के समापन पर जैन मंदिरों में दर्शनार्थियों व पूजा करने वालों की भीड़ लगी रही। अनन्त चतुदर्शी के पावन पर्व पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर मंदिरों में जाकर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा-अर्चना की।जिला मुख्यालय पर स्थित आदिनाथ जैन मंदिर सेठी कॉलोनी, पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दंग की नशिया, चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर मोचीवाड़ा देवीपुरा शांतिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर बावड़ी गेट और बजाज रोड आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर आदिनाथ कॉलोनी नवलगढ़ रोड पदमप्रभु संगही मन्दिर बजाज रोड महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर भारतीयों का मोहल्ला में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा-अर्चना की गई।प्रियंक गंगवाल ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन नया मंदिर में पर्वराज पर्युषण पर्व के दसवें दिन मंगलवार को सुबह में श्रीजिनेन्द्र देव की मंगलाष्टक वंदना की गई। साथ ही भक्ति पूर्वक श्रावकों ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म व अनंत चतुर्दशी की पूजा की। अनंत गुणों की पूजा व वासु पूज्य भगवान के निर्वाण पर लड्डू चढ़ाया गया। ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ज्योति दीदी ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर विस्तार से बात रखी। कहा कि अध्यात्म मार्ग में ब्रह्मचर्य को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। ब्रह्मचर्य हमें सिखाता है कि उन परिग्रहों का त्याग करना जो हमारे भौतिक संपर्क से जुड़ी हुई हैं। जैन संत शरीर जुबान और दिमाग से सबसे ज्यादा इसका ही पालन करते हैं। वहीं, अनंत चतुर्दशी को मंदिर से भव्य रूप से भगवान का 108 कलशों से अभिषेक किये गए और ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ज्योति दीदी के मुखारविंद से शांति धारा का वाचन किया गया अध्यक्ष गोपाल काला कोषाध्यक्ष विनोद संगही ने बताया कि इस दौरान प्रातः कालीन शांति धारा करने का सौभाग्य अशोक कुमार अंकित कुमार मानजीका परिवार को मिला और संध्याकालीन शांति धारा करने का सौभाग्य पवन कुमार पीयूष राहुल पुनीत छाबड़ा परिवार रानोली वालों को मिला। सीकर जिसमें विमल अजमेरा दीक्षा विनायक्या आयुषी दीवान सौरभ अजमेरा द्वारा दस दिन के उपवास किए गए। ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ज्योति दीदी द्वारा अंत में सभी को आशीर्वाद वचन दिया गया और भगवान के जयकारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस दौरान धर्म प्रेमी बंधु उपस्थित थे

लार में मनाया उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म दिवस

जैन श्रद्धालुओं ने किया वासु पूज्य भगवान का पूजन

बड़ागांव धसान. शाबाश इंडिया

निकटवर्ति श्री दिगंबर जैन मंदिर लार मे दस लक्षण पर्व मनाया गया पर्व के दसवें एवं अंतिम दिन मंगलवार को दिगंबर जैन मंदिर में उत्तम ब्रह्मचर्य दिवस मनाया गया। इस मौके पर श्रीजी का अभिषेक, शांति धारा व पूजन कर कई धार्मिक कार्यक्रम किए गए एवं वासुपूज्य भगवान का निर्वाणकल्याणक महोत्सव मनाया गया। शांतिधारा करने का महा सौभाग्य चंदकुमार हेमंत जैन प्रिंस जैन को मिला।पंडित कलमकुमार शास्त्री ने उत्तम ब्रह्मचर्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हर इंसान को ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए। वासना और पाखंड से मन को कभी भी विचलित नहीं होने देना चाहिए। नारी में माता,बहन का आदर लाना व्यवहार ब्रह्मचर्य है। हमें उत्तम ब्रह्मचर्य का पालन करके अपनी आत्मा में रमन करना चाहिए। दस लक्षण पर्व के समापन पर दोपहर मे श्री जी का भव्य शोभयात्रा निकली गई।जैन सुमति कला मंडल का दिव्यघोष अपनी अनुपम छटा बिखरे रहा था। बड़ी संख्या महिला पुरुष एवं पाठशाला के बच्चे मौजूद रहे। इस मौके पर मुकेश जैन राजेश जैन विजय विशारद पुष्पेंद्र जैन नरेंद्र जैन वीरेन्द्र जैन समलित हुये।

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर
गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय,
राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जयपुर (2023-25)

प्रकाश-लीला अजमेरा, वितावा (अध्यक्ष)
सुनील-आरती पहाड़िया (संस्थापक अध्यक्ष)
राकेश-समता गोदिका (सलाहकार)
सुरेश-शान्ति भौंच (सलाहकार)

अरूण-सुमन जैन (पाटनी) (निवर्तमान अध्यक्ष)
दिलिप-नमिता (टकसाली) जैन (उपाध्यक्ष)
पवन-रीता पाटनी (सचिव)
राजेन्द्र-जयश्री पाटनी (संयुक्त सचिव)
अशोक-सुमन विलाला (कोषाध्यक्ष)

पदाधिकारीगण

राजेन्द्र-आशा जैन सांघी
मुख्य संयोजक व समन्वयक
राजेन्द्र-आशा जैन पाटनी
सचिव, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ
संजय-सोनू जैन डाकूड़ा
सचिव, संगठन प्रकोष्ठ
मनोज-मनीषा सोमानी
सचिव, प्रचार प्रसार
सरला-जयकुमार जैन
अध्यक्षा, महिला प्रकोष्ठ
डॉ. रेखा-अशोक जैन
अध्यक्षा, स्वास्थ्य कल्याण प्रकोष्ठ
ऋषभ-निशा जैन
सचिव, खेल कूद व सेवा प्रकोष्ठ

कार्यकारिणी सदस्य

कमल-सुमन सेठी
जयकुमार-कोशल्या टकसाली
पदमचंद-राजरानी गंगवाल (मीठडी वाले)
रमेश-बीना जैन (मोरेह)
अमित-निधि जैन
अजित-रजनी पाटनी
राजेश-शिखा जैन

एवं समस्त जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी परिवार जयपुर

दसलक्षण महापर्व के अंतिम दिन का उत्तम ब्राह्मचार्य धर्म की आराधना

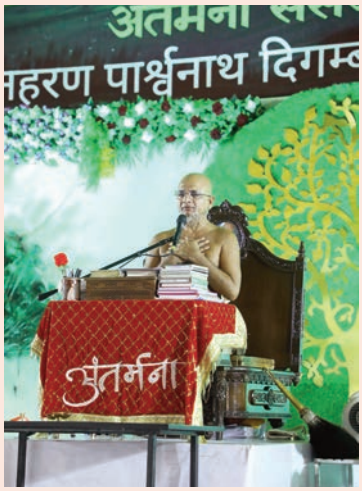

कुलचारम,हैदराबाद. शाबाश इंडिया

तेलंगाना के मेदक जिले में स्थित श्री 1008 विघ्नहर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, कुलचारम में चातुर्मास कर रहे है। दसलक्षण महापर्व का दसवां दिन, जो उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के रूप में मनाया जाता है, जैन समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। तेलंगाना के मेदक जिले के श्री 1008 विघ्नहर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र कुलचारम में चल रहे चातुर्मास के दौरान यह दिन विशेष आयोजन के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर साधना शिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के आशीर्वाद और उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज के निर्देशन में धर्म कार्यों की अनेक श्रृंखलाएं संपन्न हुई। दिन की शुरूआत प्रातःकाल में पूजा, जिन आराधना और भगवान पार्श्वनाथ के मंगल अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुई। इस दौरान गौग्रास सेवा (गायों के लिए आहार प्रदान करना) और बंदर ग्रास सेवा (बंदरों के लिए आहार वितरण) भी की गई, जो जैन धर्म में अहिंसा और सभी जीवों के प्रति करुणा का संदेश देती हैं। प्रातः पूजा मे अंतर्मना गुरुदेव ने आजीवन फल एवं जूस का त्याग किया। आज प्रातः अंतर्मना गुरुदेव ने केश लोंच संपन्न किया। विशेष रूप से, उपाध्याय श्री पियूषसागरजी महाराज की जन्मजयंती के अवसर पर अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज ने उन्हें मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस दिन की एक अन्य महत्वपूर्ण बात अनंत चतुर्दशी, जिसके कारण समस्त संघ ने उपवास रखा। उपवास जैन धर्म में आत्म-शुद्धि और आत्म-संयम के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा विधान के दौरान, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज ने तत्त्वार्थ सूत्र पर विशेष प्रवचन दिया।

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

अनिल-अनिता जैन
अध्यक्ष : श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा, जिला जयपुर

परम संरक्षक: अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सेंटल यूथ विंग, जयपुर
सचिव: रोटरी कल्ब जयपुर नॉर्थ
राष्ट्रीय संयोजक: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा (सदस्यता प्रकोष्ठ)
प्रोजेक्ट डायरेक्टर: चित्रकला प्रतियोगिता, आर.जे. ओ.
परम संरक्षक: अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् जिला जयपुर

अध्यक्ष (टोंक रोड) : अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद
उपाध्यक्ष: सखी गुलाबी नगरी
सांस्कृतिक मंत्री : श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा

नवकार किचन एंड हार्डवेयर नवकार इंटीरियर्स
शॉप न. 22 न्यू आतिश मार्केट, जयपुर मो. 9530297446

शब्दों से, भाव से,
वाणी व्यवहार से,
मान में, शान में,
जाने अनजाने में
अगर आपका
दिल दुःखा हो तो,
मैं सच्चे दिल से
क्षमा याचना करता हूँ...
FLEECA
पर्यूषण महापर्व पर आप सभी से
उत्तम क्षमा
Tikam Chand Jain and family
FLEECA INDIA PVT. LTD.
TYRE BACHAO - GADI BACHAO
www.fleeca.in

क्षमावणी पर्व

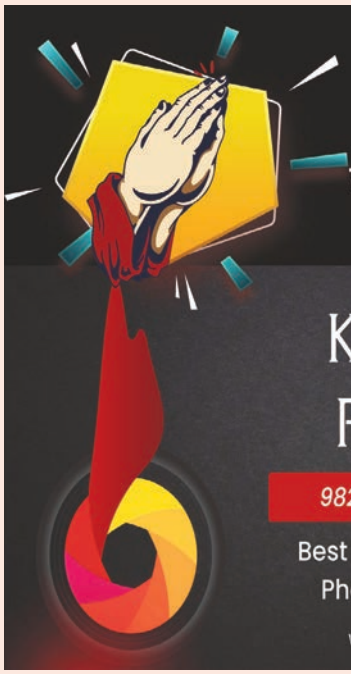

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना
नीरज-रेखा जैन
महामंत्री - श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, मुरलीपुरा
सचिव - दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन, जयपुर
अध्यक्ष - दि. जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर
अध्यक्ष - राज. जैन युवा महासभा विद्याधर नगर जोन

उत्तम क्षमा
"क्षमा वीरस्य भूषणं"
विगत वर्ष में जाने अनजाने में
हमारी कोई भूल से
आपके कोमल दिल को ठेस लगी हो तो
मन, वचन, काया से उत्तम क्षमा
श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति
श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा (राज.)
राकेश पाटनी अध्यक्ष
निर्मल कुमार सरावगी सचिव
विनोदकुमार गोधा उपाध्यक्ष
सुरेन्द्र कुमार पापड़ीवाल कोषाध्यक्ष
भागचन्द जैन संयुक्त सचिव
सुरेन्द्र कुमार काला सह कोषाध्यक्ष
विनोद कुमार ढढा संगठन मंत्री
महेन्द्र कुमार पाटोदी जन संपर्क मंत्री
सदस्य :
भागचन्द पाटनी, पंकज कुमार बड़जात्या, नेमीचन्द गोधा
राकेश झांझरी, टीकमचन्द छाबड़ा, ललित कुमार वेद

जाने में अनजाने में,
मन के वचन सुनाने में
अगर टूटा हो आपका मन
तो क्षमावाणी के इस पर्व पर
दे दीजिये हमें क्षमा का दान
KUMKUM
PHOTOS
9829054966, 9829741147
Best Professional Wedding
Photographer In Jaipur
WWW.KUMKUMPHOTOSJAIPUR.COM

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान
हरकचन्द -प्रेमलता जैन छाबड़ा, राजेश-रितु छाबड़ा
सरिता-राजकुमार गोधा, बबीता-कपिल कासलीवाल
प्रांजल, पारखी, सोनल, आस्था, प्रणव, अर्णव
बी-8, नेताजी सुभाष कॉलोनी, टोंक रोड़, जयपुर

महावीर इंटरनेशनल को मिला पृथ्वी पुरस्कार-2024

ई एस जी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा ई एस जी ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया पुरस्कार

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

'सब को प्यार' 'सब की सेवा' व 'जिओ और जीने दो' के आदर्श भाव के साथ सामाजिक कल्याण, जीव कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण सुरक्षा एंव जल सरंक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत भारत में 350 से अधिक शाखाओं के माध्यम से सेवा में योगभूत प्रतिष्ठित संस्थान महावीर इंटरनेशनल को ई एस जी रिसर्च फाउंडेशन के द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पृथ्वी पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार संस्था को पूर्ण पारदर्शिता के साथ कार्य करने, अपने सभी कर्मचारियों तथा लाभान्वित लोगों के कल्याण के लिए कार्य करने तथा देश में पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करके कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए संस्था को प्रदान किया गया है। महावीर इंटरनेशनल संस्था के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सीए वीर अनिल जैन ने संस्था की और से उपरोक्त पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय निदेशक वीर रवींद्र कुमार जैन साथ थे। वीर अनिल जैन ने बताया कि हम अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में चल रहे हैं, हम ई- चौपाल, दोस्ती से सेवा की और, कपड़े की थैली, मेरी सहेली, वात्सल्य प्रोजेक्ट जैसे अनेक महत्वपूर्ण सेवा कार्यों के माध्यम से भारत के विभिन्न शहरों-कस्बों में सेवारत हैं। ये उल्लेखनीय है कि एनवायरमेंट सोशल और गवर्नेंस (ई एस जी) तीनों मानकों पर खरी उतरती है। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश प्रभु, विशेष अतिथि नीति आयोग पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार, गेल इंडिया के अध्यक्ष संदीप गुप्ता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सीईओ एम वी राव, पर्यावरण कार्यकर्ता एवं फिल्म कलाकार विवेक आनंद ओबेरॉय, ई आर एफ के फाउंडर और डायरेक्टर अतुल कुमार गुप्ता ,दीपक बत्रा व प्रवीण गर्ग ने महावीर इंटरनेशनल को इस उपलब्धि हेतु बधाई दी। नई दिल्ली के होटल अशोक में आयोजित इस पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से पूरे दिन भर ग्लोबल ई एस जी कॉन्फ्रेंस का आयोजन रहा। इसमें डॉक्टर जस्टिस विनीत कोठारी , फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर जनरल दीपक जैन , केनरा बैंक के पूर्व सीएमडी राजीव किशोर दुबे सहित अनेक बैंकों तथा उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों ने ई एस जी पर अपने विचार प्रस्तुत किये। गौरतलब है कि ई एस जी ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारत में कार्बन फुटप्रिंट कम करने, नेट जीरो का टारगेट 2070 तक प्राप्त करने, छोटे बड़े सभी उद्योगों के द्वारा समय पर निष्पक्षता पूर्ण रिपोर्टिंग करने, अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य तथा संपूर्ण कल्याण के लिए कार्य करने, ग्राहकों को उच्च क्वालिटी की वस्तुएं उपलब्ध करवाने तथा पर्यावरण के अनुकूल अपनी कंपनी की संपूर्ण व्यवस्थाएं करने के लिए प्रेरित करने जागरूक करने हेतु किया गया। इसमें बताया गया कि किसी भी उद्योग को प्रॉफिट ,पब्लिक और प्लेनेट तीनों का ध्यान रखते हुए कार्य करने के लिए अपनी योजनाएं बनाकर उसको संचालित करना चाहिए। फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर जनरल दीपक जैन ने बताया कि छोटे उद्योगों में पर्यावरण के अनुकूल टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन के लिए, कार्बन उत्सर्जन में नेट जीरो के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कम से कम 5 लाख करोड रुपए की फंड की आवश्यकता रहेगी, इसमें सरकार को सहायता करनी चाहिए।

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं, टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं, अंतरमन से क्षमा याचना

अध्यक्ष
डॉ. एम एल जैन 'मणि'
डॉ. शान्ति जैन 'मणि'

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर

सचिवः सुरेश-आभा गंगवाल
कोषाध्यक्षः पारस मल जैन-मंजू देवी जैन
केन्द्रीय फेडरेशन निदेशकः डॉ. मनीष जैन 'मणि'
एवं समस्त तीर्थंकर ग्रुप सदस्य परिवार

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा
जे-13, मनु विहार कॉलोनी, हिम्मत नगर, टोंक रोड़, जयपुर
जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

दशलक्षण महापर्व

उत्तम क्षमा

SUPREME FORGIVENESS

क्रोध- बैर छोड़कर सभी से क्षमा मांगना और क्षमा करना;
उत्तम क्षमा है।

जाने-अनजाने में हम से कोई भूल हुई या हमने
आपका दिल दुखाया हो तो मन, वचन, काया से
''उत्तम क्षमा'' सममाव रखते हुए ''पर्युषण'' महापर्व पर
हम आपसे मन, वचन, काया से ''क्षमा याचना'' करते हैं।

AMBITION KIDS ACADEMY JAIPUR

AMBITION
KIDS ACADEMY

A Smart Way Of Learning...

A Government Recognized
English Medium Co-educational School

A Fully AC School

Classes: P.G. to VIII

Mob.: 9828088810

प्राचार्या
डॉ अलका जैन
M.com., PhD,M.ed.

निदेशक
डॉ. मनीष जैन 'मणि'
M.Com., MBA, NET,
DCWA, PhD

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

ज्ञानचन्द
कमला देवी झांझरी
पंकज-प्रीति झांझरी

बी-101, युनिवर्सिटी मार्ग, बापू नगर, जयपुर मो. 9829013094

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

डॉ. एम.एल. जैन 'मणि'- डॉ. शान्ति जैन 'मणि'
डॉ. मनीष जैन 'मणि'- डॉ. अलका जैन
रितु, डॉ. श्रेय एवं हार्दिक जैन

एम्बीशन किड्स एकेडमी परिवार- 9828088810

॥ श्री आदिनाथ नमः ॥

क्षमा वीरस्य भूषणम्

सबसे क्षमा सबको क्षमा

शब्द कितनी ही समझदारी कहें,कार्य कितनी ही सावधानी से करें पर कहीं न कहीं पर वो मर्यादा लांघ ही जाती है निश्चित ही हमसे भी कभी न कभी अनजाने ही ऐसा हुआ होगा।

क्षमावाणीसंवत्सरी के इस महा पर्व के अवसर पर आप से एवं आपके पूरे परिवार से एवं इस धरा पर विद्यमान सभी जीवों से मेरे या मेरे परिवार जनों द्वारा अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा चाहते हैं।

उत्तम क्षमा

नरेश जैन - मोनिका जैन
आर्यन जैन- प्रांजल जैन
मेड़ता - जयपुर

वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमलसागर जी मुनिराज
मूलनायक श्री 108 चन्द्रप्रभ भगवान
परम पूज्य आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी मुनिराज
शत् शत् नमन्
परम पूज्य उपाध्याय श्री 108 उर्जयन्त सागर जी मुनिराज
स्व. श्री छोटेलाल जी पांड्या स्व. श्रीमती प्रकाशी देवी पांड्या
जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए हम क्षमावाणी के पावन पर्व पर क्षमाप्रार्थी हैं।
सतेन्द्र कुमार-नीरु पांड्या
(स्व. श्री छोटे लाल जी एवं स्व. श्रीमती प्रकाशी देवी जी पांडया)
वीरेन्द्र-विमला, जिनेन्द्र-रेणू, धनकुमार-सुनीता, सतेन्द्र-नीरू, पुष्पेन्द्र-सविता, विनय-सीमा, महावीर-पिंकी, पीयूष-अनुभा, पराग-कोमल, पुनीत-छवि, प्रतीक-नैन्सी, अक्षय, निधि, महिमा, निकिता, शीरिष, अनन्त, आहाना, पारवी, विधान, निवान, विहान, भाविका एवं तन्विका एवं समस्त पांडया परिवार, खोरा वाले
7, श्रीजी नगर, दुर्गापुरा, जयपुर
मै. छोटेलाल वीरेन्द्र कुमार जैन
ए ए क्लास कॉन्ट्रैक्टर, नगर निगम, जयपुर
निवान कृषि फार्म, जयदेवपुरा, चाकसू
SB-116, मंगल मार्ग, लालकोठी, जयपुर, मोबाईल : 93145-32257
धन कुमार पांड्या
विनय पांड्या

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना
नरेश-अनिता जैन
रूपक-शिप्रा जैन, अमायरा, अर्हम जैन
81/61 पटेल मार्ग मानसरोवर

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना
विनोद कुमार जैन
शास्त्री - ज्योतिषाचार्य
वास्तु, एवं जन्मपत्री विशेषज्ञ
मो. 9828076193
Gungun Paradise Jewels
607, Nagorio Ka Chowk, Bordi Ka Rasta,
Kishan Pol Bazar Jaipur 302003
Vikram 9529490441, Manoj 9314527732

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर
गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय,
राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना
श्री दिगंबर जैन महासमिति
महिला अंचल त्रिशला सम्भाग दुर्गापुरा
चंदा सेठी
अध्यक्ष
रेणु पांड्या
सचिव
सीमा सेठी
कोषाध्यक्ष
रानी सौगाणी
महिला प्रकोष्ठ मंत्री
संगीता काला
युवा प्रकोष्ठ मंत्री
सुनीता पांड्या
मनोनीत सदस्य
सीमा बाकलीवाल
मनोनीत सदस्य

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान
लायन पीयूष - मोनाली सोनी जैन
मास्टर भव्य सोनी
फाउंडर अध्यक्ष- जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी, जयपुर
अध्यक्ष- लायंस क्लब जयपुर आकाशदीप (डिस्ट्रिक 3233 ई-1)
महामंत्री- जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी
निवास-वैशाली नगर, जयपुर मो. 9351880001, 7014948001

जाने-अनजाने में हम से कोई भूल हुई या हमने आपका दिल दुखाया हो तो
मन, वचन, काया से " उत्तम क्षमा " समभाव रखते हुए
"पर्युषण" महापर्व पर हम आपसे मन, वचन, काया से
" क्षमा याचना " करते हैं
गुणमाला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल जी गंगवाल
दिनेश-संगीता गंगवाल, समकित-गरिमा गंगवाल
(साड़ी घर वाले)
247-248, महावीर नगर, दुर्गापुरा, जयपुर

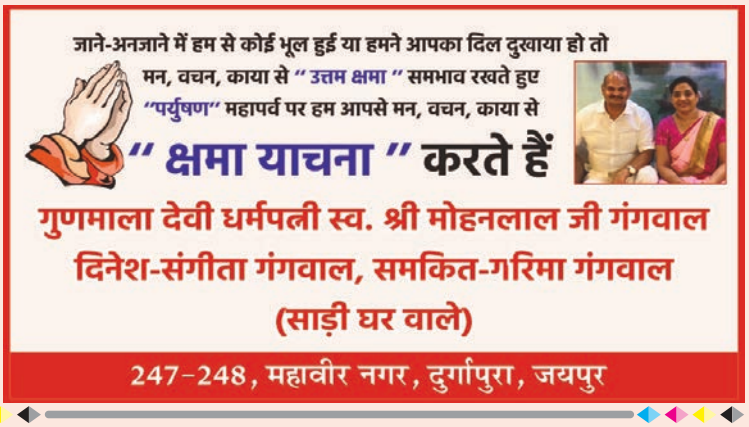

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान
संरक्षक
श्रीमती चंदा सेठी
अध्यक्ष
श्रीमती रेखा लुहाड़िया
मंत्री
श्रीमती रानी सौगानी
उपाध्यक्ष
श्रीमती रेणु पाण्ड्या
संयुक्त मंत्री
श्रीमती रितु चाँदवाड
कोषाध्यक्ष
श्रीमती वर्षा अजमेरा
सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती सीमा सेठी
सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती रेखा पाटनी
प्रचार-प्रसार मंत्री
श्रीमती मोना चांदवाड
आहारचर्या मंत्री
श्रीमती प्रेम देवी बाकलीवाल
आहारचर्या मंत्री
श्रीमती सुशीला काला
कार्यकारिणी सदस्य
श्रीमती छवि जैन
श्रीमती सुनीता पाटोदी
श्रीमती पुष्पा गंगवाल
श्रीमती रानी बोहरा
श्रीमती नीरू पाण्ड्या
श्रीमती संगीता काला
श्रीमती शिल्पी काला
श्रीमती प्रीती पाटनी
श्रीमती सुशीला कासलीवाल
श्रीमती सीमा बाकलीवाल
श्रीमती माया संगही
श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल
दुर्गापुरा, जयपुर

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशियाँ हजार देते हैं
खुश रहें खुशियाँ बाँटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना
संजय-सपना
आहना, अनीशा, अरिन
एवं समस्त छाबड़ा परिवार
आवां वाले, जयपुर

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं, टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं, अंतरमन से क्षमा याचना
धरा एन्टरप्राइजेज
Authorised distributor of:
TotalEnergies Marketing
India Pvt. Ltd (Lubricants & Greases)
Indian Oil Total Pvt. Ltd. (Emulsion)
Jai Kumar Jain, Mohit Jain
9414323692, 9783400123, 7976347160

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना
नरेश कासलीवाल
मीडिया प्रभारी
अखिल भारतवर्षीय दि. जैन परिषद राज. प्रांत
नीना कासलीवाल (पत्नी),
प्रियंक-प्रियांशी कासलीवाल
(पुत्र-पुत्रवधू)
18 -ए विश्वेशरिया नगर, त्रिवेणी रोड, जयपुर @ 9462191401

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान
अध्यक्ष
राजेश बड़जात्या
संस्थापक अध्यक्ष
अनिल कुमार जैन IPS
निवर्तमान अध्यक्ष
यशकमल अजमेरा
महासचिव
निर्मल संघी
कोषाध्यक्ष
पारस कुमार जैन
परामर्शक
सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या
परामर्शक
नवीन सेन जैन
पूर्व अध्यक्ष
अतुल बिलाला
कार्याध्यक्ष
सुनील कुमार बज
कार्याध्यक्ष
सुरेश जैन बांदीकुई
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन
श्रीमती मृदुला जैन
सुरेन्द्र मोहन जैन अधिवक्ता
मनीष बैद
भारत भूषण जैन
एवं समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
एस-9, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान
संरक्षक
महिला मंडल दुर्गापुरा
अध्यक्ष
त्रिशला संभाग दुर्गापुरा
समन्वयक, टोंक रोड,
राजस्थान जैन युवा महासभा
प्रभारी दुर्गापुरा,
भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा
राजकुमार-चंदा सेठी
प्लाट नं. 91, श्री जी नगर,
दुर्गापुरा, जयपुर

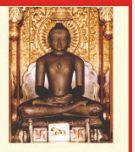

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

प्रदीप-कामिनी जैन गोदिका
पियूष-आकांक्षा जैन, जयपुर

क्षमावाणी के अवसर
पर मन-वचन-काय से
उत्तम क्षमा

सुभाष जैन कैंची बीड़ी

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जैन मिलन
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष विमर्श जागृति मंच
सौजन्यः- सुभाष एंड कम्पनी, अशोकनगर

Shubham CARE HOSPITAL
Your Trust Our Care

Dr. Shailesh Jain
Gynae Laproscopy expert
Obstetrics and Gynecology
Menopause specialist

|| उत्तम क्षमा ||

जाने अनजाने हुई गलतियों के लिए मन वचन
काय से उत्तम क्षमा।

विनोद बड़जात्या

सुशीला बड़जात्या

डॉ. शैलेष

सपना जैन

201, Giriraj Nagar, Iskcon Road, Jaipur - 302029
0141-4107139, +91 86195-51839, 95094-38568 FOLLOW US ON :

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

अश्विनी - मधु जैन गोधा
113 नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर जयपुर

सबसे क्षमा क्षमा वीरस्य भूषणम् सबको क्षमा

Dolphin Waterproofing
For Your New & Old Construction
आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ,
हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें, सीलन, लीकेज व गर्मी
से राहत एवं बिजली के बिल मे भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोडफोड के सीलन का निवारण
Rajendra Jain
Dr. Fixit Authorised Project Applicator 80036-14691
116/183 Agarwal Farm opp. D Mart Mansoravar Jaipur

जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में अगर टूटा हो
आपका मन तो, क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

Sunil jain 9828012800
Renu jain/lakshya Jain 8696212800
Santosh Gupta 9414050191

May i help you
Term & General Insurance Consultants
Office: 303, Siddhi vinayak, Ashok Marg, Near Ahinsa Circle,
C-Scheme, Jaipur Ph.: 0141-2372893, 2378187

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर
गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय,
राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

आदिनाथ मित्र मण्डल

सुनील जैन अध्यक्ष	राकेश गोदिका संरक्षक	विमल जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री

संजय जैन 'आवा' उपाध्यक्ष	साकेत जैन उपाध्यक्ष	अशोक सेठी संयुक्त मंत्री	अनिल जैन डोड्या संयुक्त मंत्री	मुकेश जैन कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य : टीकम जैन, अशोक सोगानी, राजेन्द्र जैन बोरखंडी,
अनिल जैन (दोशी), अशीष शाह, अशोक जैन (आगरा रोड), पं. विनोद शास्त्री

अनन्त चतुर्दशी पर सोनीजी की नसियां में वार्षिक कलशाभिषेक समारोह

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। दसलक्षण पर्व के समापन पर आज उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का दिन के अवसर पर सोनीजी की नसियां में दोपहर 3 बजे पाण्डुकशिला पर विराजमान कर श्रीजी के वार्षिक कलशाभिषेक ट्रस्टी निर्मलचन्द्र प्रमोदचंद विनम्र सोनी परिवार व साधर्मी बन्धुओं द्वारा किये गये। प्रवक्ता कमल गंगवाल व समाजसेवी प्रवीण जैन ने बताया कि खचाखच भरी नसियांजी में वार्षिक कलशाभिषेक समारोह में भारत सरकार के केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष प्रो वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर चौधरी व देवनानी ने जैन समाज को सम्बोधित करते हुये कहा कि वे सदैव जैन समाज के किसी भी कार्य हेतु हमेशा उपलब्ध थे व रहेंगें जिसका उपस्थित धर्मावलम्बियों ने जोरदार तालियां बजाकर अभिनंदन किया । इस दौरान दोनो अतिथियों का साफा, दुपट्टा, माला, तिलक लगाकर अभिनंदन किया। स्वागत सत्कार करने वालो में समाजरत्न निर्मलचन्द्र सोनी, प्रमोदचंद सोनी, प्रवीण जैन, सुषील बाकलीवाल, मिश्रीलाल गदिया, कमल गंगवाल, श्री दि जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी, प्रो. सुषील पाटनी, नवीन जैन, मुकेष पाटोदी, संजय सोनी, दिनेश पाटनी, राजकुमार भैंसा, विपिन गदिया, संजय कुमार जैन, ललित पांडया, पंकज गंगवाल, नरेन्द्र गोधा, नेमीचंद पाटनी, विजय गदिया, योगेष जैन, दीपक जैन पटवा, मनीष जैन, शान्तिलाल पाटनी, विजय पांडया, नवीन पाटनी, निर्मल पहाडिया, कमल सोगानी, अमित पांडया आदि। **श्रीजी भगवान को ऐरावत हाथी पर विराजमान कर सवारी की परिक्रमा की:** जैन व गंगवाल ने बताया कि श्रीजी को ऐरावत हाथी रथ पर विराजमान कर नसियांजी के चारो ओर परिक्रमा करते हुये दि. जैन संगीत मंडल के प्रो. सुशील पाटनी के निर्देशन व संयोजन में भजन -गज चढ यदुनंदन आवत है । बाजे छः बधाई राजा, नाथ के दरबारजी, लल्ला गोदी ले ल, गोदी ले ल कहां सोये महारानी, गाते हुये सुन्दरमय भक्ति नृत्य भक्तजनों द्वारा किये गये और भगवान आदिनाथ की जय जय कार करते हुये पूरी नसियांजी को गुंजायमान कर दिया।

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

इन्जी पी सी छाबड़ा-तिलक मती जैन

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी इन्टरनेशनल फांण्डेसन के राष्ट्रीय महासचिव इन्दोर
भारत की एक मान्यता प्राप्त 105 वर्ष पुरानी इन्स्टीट्यूट ऑफ
इन्जिनियरिंस इंडिया के राज्य कार्यकारिणी सदस्य
दिंगबर जैन अतिशय क्षेत्र साखंना व निमोला के परम संरक्षक
श्रमण ज्ञान भारती मथुरा चौरासी के ट्रस्टी व जम्बू स्वामी के स्थायी आमंत्रित
अतिक्षय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा के प्रबंध समिति के सदस्य
अन्य संस्थाओं जेसे दि. जै. महासमिति के शिरोमणि संरक्षक, टीएमयू,
महावीर इन्टरनेशनल ऐसोसिएशन, संरक्षक अणुव्रत, संरक्षक प्रांतीय धर्म सरक्षणी,
दिंगबर जैन सोशल गुर्प व कई मन्दिरों से जुड़े हुए हैं
BJS के राज्य उपाध्यक्ष रहे, अभी सक्रिय सदस्य
पेटर्न मेम्बर जीतो Jito
9414052412, B-53, जनता कालोनी, जयपुर

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

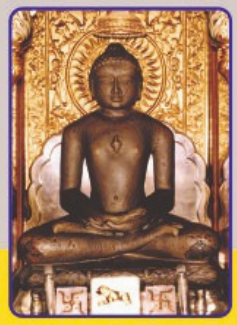

MPHF Rtn. Sudhir Jain
M.Com., LLB, JD

- Charter President & Trainer Rotary Club Jaipur Citizen
- President, international vaish mahasammeln jaipur central
- Founder President, Jain Citizen Foundation Trust
- F. President & Patron Lion Club Jaipur Diamond
- F. President, Jain Social Group Capital
- President: shridharam foundation.
- Dev. Officer, LIC of India, B.O.1, B.S. Road, Jaipur

A-1, Krishna nagar-II, Lal Kothi, Jaipur | 9829012639
Ph.: 0141-2744820, 4026130 | lionsudhirjain@gmail.com

श्री घिनोई वालान जैन मंदिर में अनंत चतुर्दशी धूमधाम से मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा सिटी संभाग के चांदपोल जोन में श्री घिनोई वालान जैन मंदिर जय लाल मुंशी का रास्ता में अनंत चतुर्दशी के उपलक्ष में बड़ी धूमधाम से कलाशा अभिषेक , शांति धारा एवम सामूहिक पूजन करी गई। नवचेतना युवा मंडल के अध्यक्ष राजकुमार पाटनी, मंत्री रवि जैन ने बताया कि सभी कार्यक्रम नवचेतना युवा मंडल के तत्वावधान में किए गए ।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का शुभारंभ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । छावनी परिषद प्रशासन की ओर से मंगलवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का शुभारंभ हनुमान चौक पर विधायक रामस्वरूप लाम्बा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। विधायक लाम्बा सहित छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी डॉ नीतिश गुप्ता, उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष एडवोकेट महेश मेहरा आदि ने बाजार में झाड़ू लगाकर सफाई की। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक विजय सांखला व सिटी थानाधिकारी घनश्याम मीणा भी उपस्थित थे। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के शुभारंभ अवसर पर छावनी परिषद प्रशासन की ओर से मुख्य बाजार में सड़क के दोनों और व्यापारियों को डस्टबिन भी वितरित किए गये।

भगवान वासुपुज्य का मोक्ष कल्याणक दिवस व अनंत चतुर्दशी पर्व मनाया

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। श्री आदिनाथ दिगम्बर अतिशय क्षेत्र जैन मंदिर कोटखावदा वीतराग धर्म का उत्तम ब्रह्मचर्य दशलक्षण पर्व व जैन धर्म के 12वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया। अमन जैन प्रचार प्रसार मंत्री कोटखावदा ने बताया कि प्रातः कालीन बैला में जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का पंचामृत अभिषेक व शांति धारा कि गई। सायंकाल अनन्त चतुर्दशी के पावन अवसर पर श्री जी के जलाअभिषेक किए गए, आज की माल का सौभाग्य महावीर कुमार , राजेश कुमार, अंकित गंगवाल एवं समस्त गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि तीन दिवसीय कर्म निझंरा तेला एवं दस लक्षण महापर्व में दस दिन का उपवास करने वालों को बुधवार 18 सितम्बर को , तिथि क्षय के कारण रत्नत्रय व्रत व तेला करने वाले त्यागी व्रतियों को भी 18 सितम्बर को ही तथा षोडशकारण के एक माह के उपवास करने वाले तपस्वियों को गुरूवार 19 सितम्बर को मंदिर जी से गाजे बाजे के साथ उतारा जाएगा। अमन जैन के मुताबिक सायंकाल महाआरती , भगवान आदिनाथ का चालिसा, भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान अध्यक्ष महावीर गंगवाल, बाबूलाल पाटोदी, शांतिलाल चांदवाड, राजेश वैद, आलोक पाटोदी, धर्म चंद वैद, हेमराज जैन सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

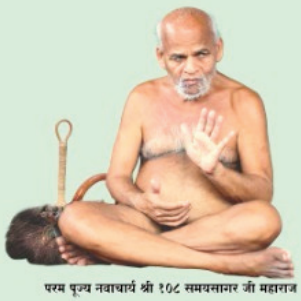

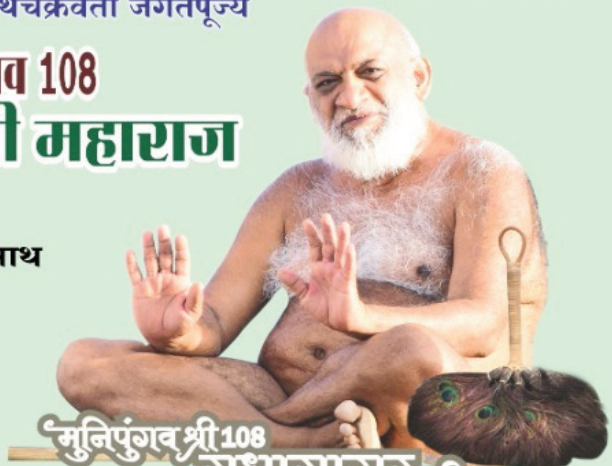

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज
महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108
श्री सुधासागर जी महाराज
के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ
अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं
श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति
29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
25-26 सितम्बर, 2024
मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 वरिष्ठ सागर जी महाराज
क्षुल्लक गौरव श्री 105 विदेह सागर जी महाराज
राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या
टीम का विशेष अनुरोध :
आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।
: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)
राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला जैन डोड्या जयपुर
महामंत्री श्रीमती इन्दु गाँधी अशोक नगर
कोषाध्यक्ष डॉ. वन्दना जैन जयपुर
युवा प्रकोष्ठ मंत्री डॉ. ममता जैन पुणे
महिला प्रकोष्ठ मंत्री मधु शाह कोटा
संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी
सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन
वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।
विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)
सुरेन्द्र जैन (सट्टू) अध्यक्ष 93029-12981
राजकुमार जैन मिल्ली महामंत्री 94605-67981
राजेश जैन एडीना अध्यक्ष 93029-12981
राजेन्द्र जैन केसली गौरव अध्यक्ष 94251-71451
ऋषभ जैन बादरी मुख्य संयोजक 93029-10021
सुरेन्द्र जैन डबडेरा कोषाध्यक्ष 98262-93384
आशीष जैन पटना स्वागत अध्यक्ष 94251-72301

अनंत चतुर्दशी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्याल्य बापूनगर में दिनांक 17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्रातः नियमित कार्यक्रमो के तहत 6 बजे भक्तामर स्तोत्र पाठ 6_ 30 बजे श्रीजी के अभिषेक शांतिधारा नित्य पूजन व विधान पूजन की गई जिसमे बहुत बड़ी संख्या में भक्ति भाव के साथ श्रद्धालु गण उपस्थित रहे। आज पार्श्वनाथ पार्क के पंडाल में प्रातः 8 बजे से विशेष साजो के साथ सामूहिक पूजन का आयोजन किया गया जिसमे बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने प्रभू की भक्ति कर धर्मलाभ उठाया । मंदिर समिति के अध्यक्ष राज कुमार सेठी ने बताया कि बापू नगर समाज के विजय कुमार श्रीमती आशा दीवान की पुत्र वधु श्रीमती मौसमी दीवान ने सोलह कारणजी के 16 दिन उपवास किए जिनके तप की पूरा समाज अनुमोदना करता है। इसी क्रम में श्रीमती स्नेहलता काला जे के मसाला वालो के पुत्र विकास व पुत्र वधु निकिता काला ने दशलक्षणजी के 10 दिन के उपवास किए इन दोनो के द्वारा किए जा रहे तप की अनुमोदना करते है व सभी के सुख साता की कामना करते हैं। दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक तेला व्रत करने वालो की अनुमोदना के लिए भजनों का कार्यक्रम रखा गया। व दोपहर में 24 भगवान की पूजा की गई। तत्पश्चात सायंकाल 6 बजे अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रीजी के कलशाभिषेक आयोजित किए गए, बाद में शास्त्र प्रवचन हुआ। प्रवचन के बाद रात्रि में 8 बजे से भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया गया जिसे राजीव जैन , रमेश बोहरा , मनोज झांझरी, संजय पाटनी ने बहुत भक्ति के साथ संपन्न करवाया।

ग्यारहवीं के छात्र उमंग ने नेत्रहीनों के लिए बनाया सस्ता की-बोर्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

प्रिंसटन डे स्कूल में जूनियर (ग्यारहवीं कक्षा) के छात्र उमंग शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इंजीनियरिंग और उत्पादों की कोडिंग में रुचि के चलते ब्रेल लिपी विशेषज्ञों की मदद से तकनीकी सुधार करते हुए नेत्रहीनों के लिए एक की-बोर्ड बनाया। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में लगभग 284 मिलियन दृष्टि बाधित व्यक्ति हैं। इनमें से 39 मिलियन नेत्रहीन हैं, 70 प्रतिशत बेरोजगार हैं और 90 प्रतिशत निरक्षर हैं। उमंग कहते हैं कि एक बार जब वह इंटरनेट पर की- बोर्ड के लिए पार्ट्स खोज रहा था, तो उसे ब्रेल की-बोर्ड की सूची मिली, जिसकी कीमत 7000 डॉलर से अधिक थी। उमंग को लगा कि इसका विकल्प होना चाहिए। उमंग ने महसूस किया कि किफायती की-बोर्ड जैसी सुलभ तकनीक के बिना अंधे व्यक्ति रोजगार पाने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन उन्हें उन उपकरणों को वहन करने के लिए रोजगार की आवश्यकता होती है जो उन्हें सफल होने में मदद कर सकते हैं। उमंग ने इन बातों को ध्यान में रखते हुए अपने शोध के साथ कुछ प्रोटोटाइप बनाए और ब्रेल तकनीक में विशेषज्ञों से बात करके डिजाइन में सुधार किया। ऐसे में उसका की-बोर्ड दृष्टि बाधित लोगों के लिए एक सस्ता, आसानी से उपयोग होने वाला यह नवीन की-बोर्ड केवल 10 डॉलर में उपलब्ध हो गया। यह 3डी-प्रिंटेड कीज का उपयोग करता है जो टिकाऊ और किसी भी की-बोर्ड पर आसानी से चिपक सकते हैं। उमंग ने राष्ट्रीय ब्लाइंड एसोसिएशन दिल्ली और सिल्वर लाइनिंग ब्लाइंड स्कूल में कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले युवा दृष्टि बाधित व्यक्तियों के साथ दो कार्यशालाओं में अपने की-बोर्ड का परीक्षण किया और अपने हाइपोथेसिस की पुष्टि की। इस दौरान उसने पाया कि भले ही यह सभी व्यक्तियों के लिए उपयोगी है, लेकिन अंधे छात्रों और छोटे बच्चों को जो ब्रेल सीख रहे थे, उन्हें यह विशेष रूप से उपयोगी है। क्योंकि इससे उन्हें कुंजियां याद रखने और टाइप करने की गति बढ़ाने में मदद मिली। नेशनल एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड दिल्ली ने उमंग के इस प्रयास की सराहना की। उसने 20 से ज्यादा की-बोर्ड दान किए हैं। जिससे 250 से ज्यादा छात्र प्रभावित होंगे। छात्रों के बीच एक महत्वपूर्ण सफलता साबित होने के बाद उमंग ने इन अभिनव ब्रेल कीबोर्ड को वैश्विक स्तर पर दृष्टिहीन स्कूलों में वितरित करने की योजना बनाई है। उन्होंने जेडाबल नामक एक गैर-लाभकारी संगठन की स्थापना भी की है। **रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'**

इंजिनियर कॉलोनी, मान्यावास मानसरोवर जैन मंदिर में दस लक्षण पर हुए आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मन्दिर 6 डी इंजिनियर कॉलोनी, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर में 10 दिवसीय दसलक्षण पर्व का उल्लासपूर्वक आयोजन हुआ। जयपुर के श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मन्दिर में जैन धर्म के प्रमुख पर्व, पर्यूषण पर्व का भव्य और उल्लासपूर्ण आयोजन 8 सितंबर 2024 से 17 सितंबर 2024 तक किया गया। इस दस दिवसीय धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन श्रद्धालुओं ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जैन समाज के श्रेष्टी कमलचंद छाबड़ा ने बताया कि पर्व की शुरूआत प्रतिदिन प्रातः शांति धारा से की गई। कार्यक्रम समन्वयक सी ए मनीष छाबड़ा ने बताया की इस पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं ने प्रभु शांतिनाथ की नित्य पूजा-अर्चना की और सायंकाल प्रतिदिन 48 दीपों से साज और बाजों के साथ भक्तामर पाठ का आयोजन भी हुआ। जिसमे सभी ने भाग लिया । नित्य भजनों का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ, जिसने उपस्थित भक्तों को भक्ति के रस में सराबोर कर दिया। अनंत चतुर्दशी के दिन श्री चौबीस मंडल विधान का आयोजन किया गया और इसके पश्चात संध्या 5:00 बजे से श्रीजी के अभिषेक का भव्य कार्यक्रम हुआ।

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में इंजीनियर दिवस का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर चैपटर (नार्थ) ने भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया जी की जन्म तिथि के उपलक्ष में दिनांक 15 सितंबर 2024 को दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में इंजीनियर दिवस को आयोजन किया। अध्यक्ष इंजीनियर राजेश जैन ने अभियंता दिवस की महत्त्वता के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा जेइस जयपुर चैपटर (नार्थ) के सदस्यों ने सर्व प्रथम बालक व बालिकाओं के छात्रावास का कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा एक छात्र व एक छात्रा को 31-31 हजार के दो चैक संस्थान के सचिव सुरेश कासलीवाल को प्रदान किये जिससे संस्थान के एक बच्चे (छात्र व छात्रा) का पूरे वर्ष का शिक्षण, आवास व भोजन आदि का व्यय वहन होता है। संस्थान के प्राचार्य अरुण जैन व उपाचार्य किरण जैन तथा मंत्री सुरेश जैन व संयुक्त मंत्री दर्शन जैने ने संस्थान के बारे में उपस्थित इंजीनियरसे को अवगत करवाया । सभी का माल्यार्पण वे तिलक लगाकर स्वागत किया। तत्पश्चात जैन इंजीनियर सोसायटी के संस्थापक अध्यक्षे इंजीनियर अखिलेश जैन वे कोषाध्यक्ष इंजीनियर अजित जैन द्वारा उपस्थित छात्राओं के लिए धार्मिक प्रशनोत्री का आयोजन किया तथा विजेताओं को पारितोषिक अध्यक्ष इंजीनियरे आरे के जैन, वरिष्ठ इंजीनियर के सी जैन, इंजीनियर पंकज जैन व इंजीनियर अलका जैन ने प्रदान किये। अंत में जेइस जयपुर चैपटर के उपस्थित सदस्यों ने संस्थान को कई महत्वपूर्ण सझाव दिये वे जैन श्रमण संस्कृति संस्थान की कार्यप्रणालियों की सराहना की तथा सचिव पवन पाटनी ने दिनांक 29 सितंबर 2024 के होने वाले कार्यक्रम के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी, यह कार्यक्रम महिमा संसार, टोकं रोड पर होना निश्चित किया व नवंबर माह में उज्जैन में होने वाले वार्षिक कनवोकेशन के संदर्भ में जानकारी दी।

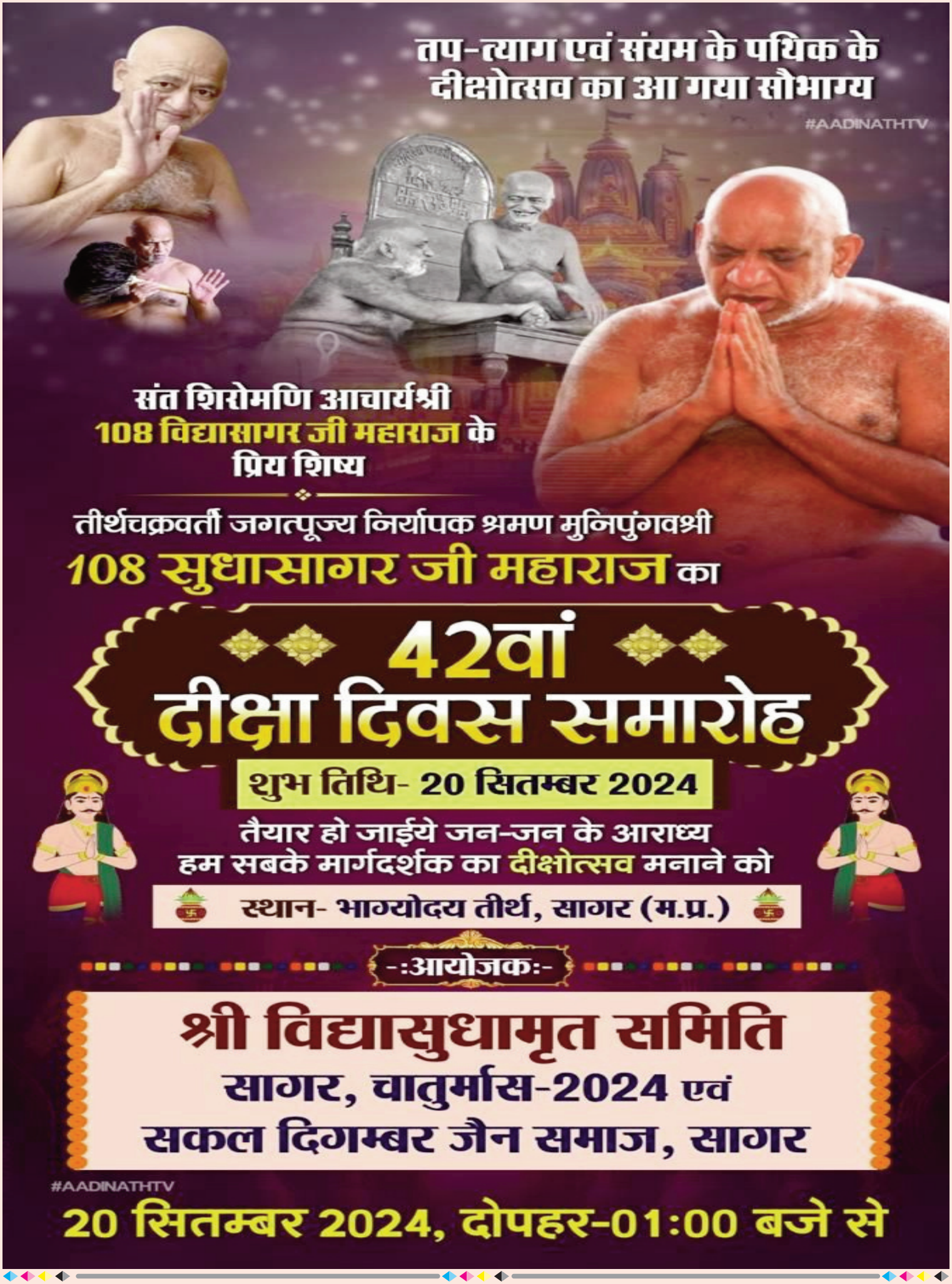
तप-त्याग एवं संयम के पथिक के
दीक्षोत्सव का आ गया सौभाग्य
#AADINATHTV
संत शिरोमणि आचार्यश्री
108 विद्यासागर जी महाराज के
प्रिय शिष्य
तीर्थचक्रवर्ती जगत्पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री
108 सुधासागर जी महाराज का
42वां
दीक्षा दिवस समारोह
शुभ तिथि- 20 सितम्बर 2024
तैयार हो जाईये जन-जन के आराध्य
हम सबके मार्गदर्शक का दीक्षोत्सव मनाने को
स्थान- भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.)
-:आयोजक:-
श्री विद्यासुधामृत समिति
सागर, चातुर्मास-2024 एवं
सकल दिगम्बर जैन समाज, सागर
#AADINATHTV
20 सितम्बर 2024, दोपहर-01:00 बजे से

शील बाढ़ नौ राख, ब्रह्म भाग अंतर लखो करि दोनों अभिलाख, करहू सफल नर भव सदा: प्राचार्य सतीश जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के दसवें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म विधान की पूजन की गई। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश जैन ने ब्रह्मचर्य धर्म को तलवार की धार वाला धर्म बताया है। ऐसे साधना में लगे हुए लोग महान होते हैं। आत्मा में आचरण करना, लीन हो जाना ब्रह्मचर्य कहलाता है। आचार्यों ने मंत्र दिया है कि अपने से जो बडी महिला हैं उनसे माता के समान व्यवहार करो, जो बराबर की हैं उनके साथ बहन के जैसा व्यवहार करो और जो अपने से छोटी है उनके साथ पुत्री जैसा व्यवहार करो। इसी प्रकार पुरुषों में जो अपने से बड़े हैं उन्हें पिता के समान समझो, जो बराबर के हैं उन्हें भाई के समान समझो, जो छोटे हैं उन्हें बेटे के समान समझो। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज के पूजन स्थापना पुण्यार्जक विमल कुमार प्रेमलता, विकास सुनीता, आकाश संगीता, राजेश सुरभि, आर्यमन आदित्य दित्या वीरांश एवम पाटनी परिवार कोलकाता वाले रहे। आज अनंत चतुर्दशी के शुभ अवसर पर माल की डाक लेने का सौभाग्य वीरेंद्र प्रेमलता, विनीत विपिन गोधा परिवार किशनगढ़ वालों को प्राप्त हुआ है। सायंकालीन आरती के पुण्यार्जक भी वीरेंद्र प्रेमलता, विनीत विपिन गोधा एवं परिवार किशनगढ़ वाले, दीप प्रज्वलन कर्ता और कार्यक्रम के पुण्यार्जक डी सी जैन सुशीला देवी, संजय पूजा, अनिल रीना, निश्चल ध्रुव सृष्टि स्वस्ति पाटनी एवं परिवार रहे। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृत संस्थान के प्राचार्य सतीश भैया जी का सम्मान किया गया। समारोह में श्रेष्ठी ज्ञानचंद झाझरी, भागचंद काला जे के मसाले वाले कोलकाता, सुरेश ललिता सबलावत, विनय स्नेहलता सोगानी, न्यूरोलॉजिस्ट डा स्वप्निल जैन, शाबाश इंडिया के राकेश-समता गोदिका पधारे। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति द्वारा उनका सम्मान किया गया। रात्रि में रिद्धि सिद्धि मंत्र से युक्त संगीतमय श्री भक्तामर मंडल विधान का शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संगीतकार नरेंद्र जैन एंड पार्टी रहे। समाज के सभी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों द्वारा सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया गया।

क्षमावणी पर्व

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं, टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं, अंतरमन से क्षमा याचना

जे.के. जैन कालाडेरा

डॉ. करेश-अलीशा, विहान, आहान

पुनीत-निधी, युवान, आयरा

कालाडेरा, जयपुर, लंदन

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व एवं स्व धर्म साधना शिविर का हुआ समापन

बुधवार को षोडशकारण समापन कलश के पश्चात मनायेगे क्षमा पर्व पडवा ढोक

125 त्यागी व्रतियों का होगा सामूहिक पारणा महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

फोटो : कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गौखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 में मंगलवार को दशलक्षण महापर्व का उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म एवं अनन्त चतुर्दशी पर्व मनाया गया।इसी के साथ मुनि श्री के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय स्वधर्म शिविर का समापन हो गया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व दस दिवसीय स्व धर्म शिविर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर अर्हं योग एवं ध्यान करवाया गया। संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन के अनुसार शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में तत्वार्थ सूत्र के दसवें अध्याय के सूत्रों का मर्म समझाया। इस मौके पर 1800 से अधिक शिविरार्थियों ने सभी सूत्रों के अर्घ्य समर्पित किये ।इस मौके पर जयपुर के बाहर से आये हुए 500 से अधिक शिविरार्थियों का चातुर्मास समिति की ओर सम्मान किया गया। इस मौके पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ सौम्या गुर्जर, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ एवं नगर निगम में चेयरमैन पार्षद पारस जैन, भाजपा कार्यकर्ता मनोज पाटनी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति की ओर से सभी का सम्मान किया गया। इससे पूर्व समाजश्रेष्ठियों द्वारा धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट किया गया। सायंकाल अनन्त चतुर्दशी पर्व मनाते हुए श्री जी के कलशाभिषेक किये गये। श्री जी की माल का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी उत्तम चन्द पंकज बोहरा परिवार ने किया। तत्पश्चात प्रश्न मंच, आरती, प्रतिक्रमण पाठ के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, एडवोकेट राजेश काला, अशोक गोधा, अशोक छाबड़ा, विजय झांझरी आदि ने सहभागिता निभाई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि बुधवार 18 सितम्बर को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व, सोलह कारण, तेले आदि करने वाले 125 त्यागी व्रतियों का सामूहिक पारणा महोत्सव मनाया जाएगा । इस मौके पर प्रातः 7 बजे से श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा होगा। प्रातः 8.30 बजे मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। तत्पश्चात दस दिवस, सोलह दिवस के उपवास करने वाले 65 त्यागी व्रतियों का अभिनन्दन किया जाएगा। सायंकाल 5.00 बजे षोडशकारण व्रत समापन कलश होगें ।तत्पश्चात पड़वा ढोक मनाई जाकर सामूहिक क्षमा वाणी पर्व मनाया जाएगा।

विनोद जैन कोटखावदा